जीवन दर्शन

अज्ञानता और विचार हीनता मानवता के विनाश के दो सबसे बड़े कारण है
- जॉन टिलोटसन

दैनिक
ग्लोबल हेराल्ड
LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

शनिवार 25 अप्रैल, 2026 ■ वर्ष 15 ■ अंक 74 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

www.globalherald.news

सुदर्शन के शतक पर भारी विराट और पडिक्कल की तूफानी फिफ्टी,...

पृष्ठ 8 पर

न्यूज ब्रीफ

जीएसटी विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल: 162 अधिकारियों का तबादला

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में प्रशासनिक सर्जरी का बड़ा उदाहरण सामने आया है। सीएम रेखा गुप्ता के निर्देश पर ट्रेड एंड टैक्सेस (जीएसटी) विभाग में व्यापक स्तर पर तबादले किए गए हैं। कुल 162 अधिकारियों और कर्मचारियों को अचानक स्थानांतरित कर दिया गया, जिससे विभाग में हड़कंप मच गया है। यह कार्रवाई 8 अप्रैल 2026 को मुख्यमंत्री के विभागीय दौरे के बाद सामने आई अनियमितताओं के आधार पर की गई है। दौरे के दौरान कार्यप्रणाली और पारदर्शिता को लेकर कई सवाल उठे थे, जिसके बाद तत्काल सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिन अधिकारियों का तबादला किया गया है, उनमें तीन असिस्टेंट कमिश्नर भी शामिल हैं।

27 को भारत-न्यूजीलैंड एफटीए पर करेंगे हस्ताक्षर पीएम लक्सन ने दी जानकारी

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड 27 अप्रैल को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर हस्ताक्षर करेंगे। यह जानकारी न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन ने शुक्रवार को दी। लक्सन ने एक्स पर कहा कि हम सोमवार को भारत के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर करेंगे। इसके साथ ही लक्सन ने एक वीडियो भी पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे यह एफटीए न्यूजीलैंड के लिए फायदेमंद होगा। इस दौरान उन्होंने एक फैक्ट्री का भी दौरा किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वीडियो में लक्सन ने कहा कि मैं क्राइस्टचर्च में मौजूद हैमिल्टन जेट के प्लांट में हूं। यह कंपनी 70 से ज्यादा देशों में बोट में इस्तेमाल होने वाले जेट इंजन का निर्यात करती है। फिलहाल इस कंपनी को टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है।

खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज, गुवाहाटी हाईकोर्ट से लगा झटका

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। गुवाहाटी हाईकोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री की पत्नी की शिकायत पर दर्ज एफआईआर में उन्हें अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया। अब पवन खेड़ा को आत्मसमर्पण कर अपनी रिहाई के लिए नियमित जमानत की अर्जी दाखिल करनी होगी, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट पहले ही राहत देने से इनकार कर चुका है। गुवाहाटी हाईकोर्ट ने पवन खेड़ा और अन्य पक्षकारों की दलीलें सुनने के बाद 21 अप्रैल को उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया था। पवन खेड़ा ने 5 अप्रैल को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां सरमा पर गंभीर आरोप लगाए थे।

राघव समेत सात सांसद भाजपा के साथ, भाजपा अध्यक्ष नवीन ने स्वागत किया, अब सदस्यता रद्द करने की मांग

नई दिल्ली ■

आम आदमी पार्टी (आप) को शुक्रवार जोर का सियासी झटका लगा है। सांसद राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक एक साथ आप से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल होने का एलान किया है। इस मौके पर राघव चड्ढा ने दावा किया कि किया कि उनके साथ सात सांसद भाजपा में शामिल हो रहे हैं। इससे राज्य सभा में पूरी आप का भाजपा में विलय हो गया है। इसके बाद भाजपा के डीडीयू मार्ग स्थित राष्ट्रीय कार्यालय पहुंचे आप सांसदों का राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने आप सांसदों का स्वागत किया। उधर, आप सांसद संजय सिंह ने इसे ऑपरेशन लोटस करार दिया है। वहीं, संयोजक अरविंद केजरीवाल का आरोप है कि भाजपा ने पंजाबियों के साथ धक्का किया है।

चड्ढा का दावा, सात सांसद साथ

राघव चड्ढा ने मीडिया के सामने दावा किया कि दावा किया है कि उनके साथ स्वाति मालीवाल और हरभजन सिंह भी हैं। इतना ही नहीं, बलबीर सिंह सीचेवाल और विक्रमजीत सिंह साहनी भी आप छोड़ रहे हैं। ये सभी पंजाब से सांसद हैं और ऐसे में माना जा रहा है कि इन नेताओं के पार्टी छोड़ने से पंजाब की राजनीति में भूचाल आ सकता है। आने वाले पंजाब चुनाव में इसका असर पड़ना तय माना जा रहा है।

संदीप पाठक की भूमिका भी रही अहम

डॉ. संदीप कुमार पाठक भी 2022 से पंजाब से आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद हैं। इसके साथ ही वह पार्टी में संगठन महासचिव की जिम्मेदारी निभा रहे थे। पंजाब का पिछला विधान सभा चुनाव जिताने में पाठक की भूमिका अहम रही थी। पार्टी उस वक्त उनकी सियासी समझ और संगठनात्मक क्षमता का कायल थी। पंजाब जीत के बाद ही उनको संगठन का महासचिव बनाया गया था। इससे पहले यह जिम्मेदारी आप सांसद संजय सिंह के पास थी।

अशोक मित्तल का नाम सबसे चौंकाने वाला

पार्टी छोड़ने वालों में चौंकाने वाला नाम राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल का है। मित्तल को आप ने हाल ही में राघव चड्ढा को हटाकर राज्यसभा में उपनेता बनाया था। वहीं, दिल्ली की सत्ता से बाहर होने के बाद जब अरविंद केजरीवाल ने सरकारी आवास छोड़ा था, तब से वह अशोक मित्तल के फिरोज शाह कोटला स्थित सरकारी आवास पर रह रहे थे। केजरीवाल ने शुक्रवार सुबह ही जानकारी दी थी कि उनको अब आप के अध्यक्ष के तौर पर दिल्ली में सरकारी आवास मिल गया है।

टीएमसी का दीया बुझने वाला...

पीएम मोदी ने दमदम रैली से विपक्ष पर साधा निशाना

दमदम ■

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को प्रश्चिम बंगाल के दमदम में आयोजित जनसभा में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। दूसरे चरण के मतदान से पहले उन्होंने कहा कि टीएमसी का दीया अब बुझने वाला है, और राज्य में बदलाव की लहर स्पष्ट दिखाई दे रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किया कि पहले चरण के मतदान ने भाजपा के पक्ष में माहौल बना दिया है और यह विजय का शंखनाद है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी ने लोकतंत्र को कमजोर किया है, जबकि जनता अब उसे फिर से स्थापित करने के लिए

आगे आ रही है। उन्होंने कहा कि हर बुझता हुआ दीपक अंत में फड़फड़ाता है, वैसे ही टीएमसी भी बौखलाई हुई है। पीएम मोदी ने जनता से भाजपा को समर्थन देने की अपील करते हुए कहा कि उनकी सरकार बंगाल को भय, भ्रष्टाचार और सिंडिकेट राज से मुक्त कराएगी। उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए सुभाष चंद्र बोस के आह्वान का जिक्र किया और इसे नई क्रांति का समय बताया, जिसमें जनता का एक-एक वोट निर्णायक होगा।

बंगाल में पहले चरण के मतदान में हुई बंपर वोटिंग से गदगद हुए सीजेआई

नई दिल्ली ■

पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान में वोटरों ने जिस तरह से वोटिंग की हैं उससे अबतक के सारे रिकॉर्ड टूट गए हैं, इस बंपर वोटिंग से देश के लोकतंत्र और संविधान के रक्षक सुप्रीम कोर्ट को भी गदगद हो गए है।

बंगाल में पहले चरण की वोटिंग में 92 प्रतिशत से अधिक मतदान पर भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत भी अपनी खुशी जाहिर की हैं। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर)पर सुनवाई के दौरान पश्चिम बंगाल में पहले चरण में हुई बंपर वोटिंग का मुद्दा ही छाया रहा है। इस दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने पहले चरण में 92 प्रतिशत से अधिक वोटिंग पर

काफी खुशी जाहिर की है। इस दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी बंगाल में भारी मतदान की सराहना की है। उन्होंने राज्य में शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न करवाने के लिए केंद्रीय सुरक्षा बलों की भूमिका की खूब तारीफ की है। बता दें कि चुनाव आयोग ने शुक्रवार को पहले चरण के मतदान के लिए जो ईवीएम के ताजा आंकड़े जारी किए हैं, उसके हिसाब से वहां 92.88 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाला, जो अबतक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है।

डॉ. यादव बोले-प्रदेश का समृद्ध किसान ही विकसित भारत 2047 की मजबूत नींव रखेगा

भोपाल ■

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने संदेश में कहा कि मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद पूरा मध्यप्रदेश उनका परिवार बन गया है और प्रदेशवासियों का सुख-दुख ही उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश के तेजी से विकास करने का दावा करते हुए किसानों को इस विकास की सबसे मजबूत कड़ी बताया।

सीएम ने कहा कि राज्य सरकार ने रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन को देखते हुए केंद्र सरकार से खरीदी लक्ष्य बढ़ाने का आग्रह किया था, जिसे मंजूरी मिल गई है। अब गेहूं उपार्जन का लक्ष्य 78 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया गया है।

किसानों को उनकी भूमि के बदले चार गुना मुआवजा दिया जाएगा

मुख्यमंत्री ने भू-अर्जन को लेकर भी बड़ा फैसला बताते हुए कहा कि अब किसानों को उनकी जमीन के बदले चार गुना तक मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह फैसला किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए लिया गया है। सीएम ने दलहन और तिलहन फसलों को बढ़ावा देने के लिए भी नई घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि उड़द की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जाएगी और इसके अलावा किसानों को 600 रुपये प्रति क्विंटल बोनस भी दिया जाएगा। वहीं सरसों पर भावांतर योजना लागू होने के बाद किसानों को बेहतर दाम मिल रहे हैं।

उन्होंने इसे किसानों की मेहनत का सम्मान बताया। उन्होंने बताया कि अब प्रदेश के सभी छोटे और बड़े किसानों के लिए समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने की स्लॉट बुकिंग पूरी तरह खोल दी गई है। गेहूं खरीदी अब सप्ताह में छह दिन होगी और शनिवार को भी उपार्जन केंद्र खुले रहेंगे। साथ ही स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 30 अप्रैल से बढ़ाकर 9 मई कर दी गई है।

प्रदेश को मिल्क कैपिटल बनाने की दिा में तेजी से काम कर रहे

कृषि बिजली व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को अब रात की बजाय दिन में सिंचाई के लिए बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जा रहा है। कृषक मित्र योजना के तहत किसानों को 90 प्रतिशत सब्सिडी पर सोलर पंप दिए जा रहे हैं, जिससे वे ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकार की योजनाओं का भी जिक्र किया और कहा कि मध्यप्रदेश को मिल्क कैपिटल बनाने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है। प्रदेश में 1752 नई दुग्ध समितियों का गठन किया गया है और दूध उत्पादकों को 1600 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है।

राष्ट्रपति मादुरो को पकड़ने वाला सैनिक गिरफ्तार

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका की स्पेशल फोर्स से जुड़े एक सैनिक मास्टर सार्जेंट गैनन केन वैन डाइक को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि उसने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने वाले ऑपरेशन पर सट्टा लगाया और इससे करीब 4.09 लाख डॉलर (करीब 4 करोड़ रुपए) कमा लिए। डाइक अमेरिकी सेना के स्पेशल फोर्स (ग्रीन बैरे) का हिस्सा है। इसी यूनिट ने वेनेजुएला जाकर निकोलस मादुरो को पकड़ा था। ऐसे में डाइक को पहले से वेनेजुएला पर होने वाले सीक्रेट एक्शन की जानकारी थी। इसी जानकारी के आधार पर उसने दांव लगाया। उसके जीतने के बाद मिली रकम, भले ही गुमनाम थी, लेकिन तुरंत ही जांच एजेंसियों के शक में आ गई। डाइक अमेरिकी सेना में मास्टर सार्जेंट के पद पर था।

ईरान के विदेश मंत्री पहुंचे इस्लामाबाद

अब्बासः अमेरिकी दूतों के साथ करेंगे दूसरे दौर की शांति वार्ता

इस्लामाबाद ■

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची शुक्रवार देर रात पश्चिम एशिया में छिड़े संघर्ष को खत्म करने के उद्देश्य से अमेरिका के साथ दूसरे दौर की शांति वार्ता के लिए इस्लामाबाद पहुंचे। इस यात्रा से क्षेत्र में तनाव कम होने और शांति स्थापित होने की उम्मीदें फिर से जगी हैं।

विदेश मंत्री अराघची के साथ एक छोटा प्रतिनिधिमंडल भी आया है, जिसमें विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई भी शामिल हैं। एक पाकिस्तानी अधिकारी के अनुसार, अराघची प्रधानमंत्री

शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनीर से मुलाकात करेंगे। यह भी संभावना है कि वे अमेरिकी अधिकारियों से मिलेंगे।

अमेरिका की ओर से कौन पहुंचेगा इस्लामाबाद?

अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर शनिवार को ईरानी प्रतिनिधिमंडल के साथ सीधी वार्ता के लिए पाकिस्तान की यात्रा करेंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस बात की पुष्टि की है।

शांति वार्ता में पाकिस्तान की क्या भूमिका?

पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने बताया कि ईरानी नेता का स्वागत उप प्रधानमंत्री इशाक डार, फील्ड मार्शल मुनीर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने किया। पाकिस्तान की भूमिका ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता की है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देना है।

राम माधव बोले-भारत ने अमेरिका के लिए क्या नहीं किया, बाद में माफी मांगी, कहा- गलत फैक्ट्स दिए

नई दिल्ली ■

भाजपा नेता और आरएसएस लीडर राम माधव के अमेरिका के साथ भारत के रिश्ते पर बयान को लेकर विवाद हो गया है। माधव ने वॉशिंगटन में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि भारत ने अमेरिका के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने के लिए क्या नहीं किया। उन्होंने कहा, 'भारत ने ईरान से तेल खरीदना बंद किया, रूस से तेल खरीदना बंद करने पर सहमति जताई और अमेरिकी टैरिफ का भी विरोध नहीं किया। तो फिर आखिर भारत अमेरिका के साथ काम करने में कहां कमी कर रहा है?'

हालांकि, विपक्ष की आलोचना के बाद राम माधव ने माफी मांग ली। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शुक्रवार को लिखा, ह्यभारत ने कभी भी रूस से तेल आयात रोकने पर सहमति नहीं दी। साथ ही, 50% टैरिफ लगाए जाने का भी उसने जोरदार विरोध किया।'ह्न

कांग्रेस बोली- सरकार ने भारत के हितों से समझौता किया

कांग्रेस ने राम माधव के बयान को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला था। पार्टी ने आरोप लगाया कि माधव के बयान से यह साफ है कि मोदी सरकार ने अमेरिका को खुश करने के लिए भारत के हितों से समझौता किया। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर लिखा, मोदी वही करते हैं, जो ट्रम्प चाहते हैं। मोदी ट्रम्प की कठपुतली हैं। यही वजह है कि ट्रम्प भारत को नरकि बता देते हैं और मोदी की हिम्मत नहीं होती कुछ कहने की। साफ है कि नरेंद्र मोदी पूरी तरह से कॉम्प्रोमाइज्ड हैं और इस बात का खामियाजा देश भुगत रहा है।

राम माधव ने कहा था- हमने 18% टैरिफ भी स्वीकार किया

राम माधव वॉशिंगटन के हडसन इंस्टीट्यूट में एक पैनल चर्चा में शामिल हुए थे। पैनल में पूर्व अमेरिकी राजनयिक एलिजाबेथ थ्रेलकेल्ड और अमेरिका के पूर्व उप विदेश मंत्री कर्ट कैंपबेल भी मौजूद थे। इस दौरान माधव से अमेरिका के साथ संबंध मजबूत करने से जुड़ा सवाल पूछा गया। जवाब में राम माधव ने कहा, ह्यहमने (भारत ने) ईरान से तेल खरीदना बंद करने पर सहमति दी।

व्यंग्य : किसान कल्याण : सीएम मोहन ने चला जीत का रामबाण..!

ग्लोबल हेराल्ड
न्यूज एनालिसिस
GHNA
दिलीप शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 3 वर्ष सफल ही कहे जा सकते हैं और वे जिस तरह से हर वर्ग का ध्यान रख अभी से अपनी रणनीति को अंजाम दे रहे हैं उससे यही लगता है कि 2028 के चुनाव में भी फिर मुख्यमंत्री बन सकते हैं.प्रमाण लाड़ली बहनों को नियमित राशि देना और बड़े वोट बैंक किसानों को खुश रखने की रणनीति मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को सत्ता से फिर दूर रख सकती है, क्योंकि जमीन अर्जन का 4 गुना मुआवजा एक तरह से जीत का रामबाण साबित हो सकता है..!

शिव नमो की जोड़ी फिर नमो मोहन : किसान कल्याण से फिर जीत के चांस..!

मध्यप्रदेश सरकार की कृषि क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के समय से ही जारी जो अभी देश के कृषि मंत्री हैं. उल्लेखनीय है कि कृषि के क्षेत्र में मध्यप्रदेश अग्रणी राज्यों में शामिल है मध्यप्रदेश को वर्ष 2011-12 से 2017-18 तक लगातार 7 बार कृषि कर्मण अवार्ड से पुरस्कृत किया गया है.मध्यप्रदेश को वर्ष- 2011-12 एवं 2012-13 एवं 2014-15 में कुल खाद्यान्न केटेगरी के लिए, वर्ष- 2013-14 से 2016-17 तक गेहूं फसल के लिए और वर्ष 2017-18 में दलहन फसल के लिये कृषि कर्मण अवार्ड से पुरस्कृत किया गया है. वर्ष- 2022 में भी विभिन्न फसलों के अच्छे उत्पादन हेतु पुरस्कार मिला.

23 में मोहन सीएम बने और 23 साल से कांग्रेस सत्ता से बाहर..!- यह भी अजब संयोग

है, 2023 में मोहन यादव मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री बने और 2003 से 2026 तक 23 साल हो रहे हैं एवं कांग्रेस सत्ता से बाहर है. 2028 में भी मौका नहीं मिला तो सत्ता से बाहर रहने की सिल्वर जुबली हो सकती है. खैर राजनीति में निश्चित कुछ नहीं है. भविष्य जनता के ही हाथ है..? उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह 7 दिसंबर 1998 से 8 दिसंबर 2003 तक कुल 10 साल मुख्यमंत्री रहे. इसके बाद 17 दिसंबर 2018 से 23 मार्च 2020 तक सिर्फ 15 माह कमलनाथ को मौका मिला, जबकि प्रदेश में सबसे लम्बे समय 15 साल 11 माह मुख्यमंत्री रहे बीजेपी के शिवराज सिंह चौहान और 4 बार मुख्यमंत्री बनने वाले भी इकलौते नेता रहे हैं. उनके बाद 13 दिसंबर 2023 को डॉ. मोहन यादव ने शपथ ली और मुख्यमंत्री बने एवं अपने सफल 2 वर्ष पूर्ण कर दिसंबर 26 में 3 साल भी पूरे कर लेंगे.अभी से 2028 में जीतने की रणनीति के साथ तैयार है. प्रमाण वे लाड़ली बहनों को नियमित हर माह खाते में पैसे दे रहे हैं और यदि चुनाव पूर्व 5 हजार महीने देने का वादा पूरा करते हैं तो यह जीत का मास्टर स्ट्रोक होगा.युवाओं के लिए रोजगार के अवसर के साथ ही बड़े वोट बैंक किसानों को खुश रखने में कोई कमी नहीं रहने दे रहे हैं.

मणिपुर फिर दहला ! उखरुल में अंधाधुंध गोलीबारी, 3 की मौत

उखरुल ■

मणिपुर में नई सरकार को गठन होने के बाद भी हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। राज्य के उखरुल जिले में शुक्रवार को एक बार फिर हिंसक झड़प हो गई। नागा और कुकी आदिवासी समुदायों के हथियारबंद ग्रुप्स के बीच हुई अलग-अलग फायरिंग की घटनाओं में कम से कम तीन लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। घटना के बारे में जानकारी देते हुए एक पुलिस अधिकरी ने बताया कि हिंसा प्रभावित जिले के मुल्लम गांव के पास हुई एक घटना में सुरक्षा बलों ने दो शव बरामद किए।

उखरुल जिला नागालैंड के साथ इंटर-स्टेट बॉर्डर और म्यांमार के साथ इंटरनेशनल बॉर्डर शेयर करता है, इसमें अधिकांश तंगखुल नागा समुदाय रहता है। दो पीड़ित की पहचान एल. सितल्हो और

पी. हाओलाई के तौर पर हुई है। कैमोफ्लाज कपड़ों में मिले और उन्हें गोली लगने के निशान थे। सुबह-सुबह मुल्लम गांव में हथियारबंद मिलिटेंट्स के बीच भारी गोलीबारी हुई थी। हिंसा के दौरान पहाड़ी गांव के कई घरों में आग भी लगा दी गई। कुकी विमेन ऑर्गनाइजेशन फॉर ह्यूमन राइट्स (केडब्ल्यूओएचआर) ने उखरुल जिले के मुल्लम और शोंगफाल के शांत कुकी गांवों पर एक हथियारबंद तांगखुल नागा ग्रुप के कायरतापूर्ण हथियारबंद हमले की कड़ी निंदा की है।

बच्चों के अपहरण केस में खुलासा, आर्थिक नुकसान के बाद रची साजिश, चार आरोपी गिरफ्तार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में दो बच्चों के अपहरण के मामले ने कुछ घंटे के लिए परिजन और पुलिस-प्रशासन को संकट में डाल दिया था। बच्चों के अपहरण की खबर पूरे शहर में फैलते ही हड़कंप मच गया। हालांकि, इस पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए महज पांच घंटे में ही बच्चों को अपहरणकताओं के चंगुल से सकुल छुड़ाकर परिजनों को सौंप दिया है। इसके बाद परिजनों ने राहत का सांस ली।

पुलिस ने लाला राम नगर के बगीचे से बच्चों का अपहरण करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनका नाम राधिका प्रजापति, तनिषा सेन, ललित सेन और विनीत प्रजापति हैं। राधिका और विनीत भाई बहन हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने कर्ज लेकर शेयर बाजार में पैसा लगाया

था। शेयर में नुकसान होने के कारण उन्होंने अपहरण की प्लानिंग की थी। वे दो दिन से बच्चों की रेकी कर रहे थे। दो दिन पहले बगीचे के फ्लैट पर वे एक बच्चे को ले कर गए थे।

कैब बुक कर ले गई थी बच्चों को युवती

गार्डन से दोनों बच्चों का अपहरण करने के बाद युवती ने एक कैब बुक की और फिर उन्हें राजेंद्र नगर क्षेत्र के एक फ्लैट में लेकर गई थी। दोनों बच्चों को अहसास हो चुका था कि उनके साथ कोई घटना हुई है। इसके बाद युवती ने उनके वीडियो लेना शुरू कर दिए। रात को दोनों बच्चों को भूख लगने लगी तो युवती ने दूध की सिंवैया खिलाई थी। हालांकि बच्चों ने पहले युवति से खाने के लिए कहा था। फिर युवती ने पहले खुद सिंवैया चखी फिर दोनों बच्चों को दी।

'काट कर पटरी पर फेंक देता हूं आ कर ले जाओ'

अपहरण होने के बाद युवती ने परिजनों को फिरौती के लिए कॉल किया। इसके बाद परिजनों ने पैसे इकट्ठा करना शुरू कर दिया। रात 12 बजे एक बच्चे की मां को एक मैसेज आया और कहा कि बस बहुत हो गया, पैसे नहीं दे सकते हो तो दोनों बच्चों को काट कर पटरी पर फेंक देते हैं आकर ले जाओ।

25 पुलिसकर्मियों की टीम लगाई थी

थाना पलासिया क्षेत्र से लापता हुए दो मासूम बच्चों के अपहरण मामले का पुलिस ने कुछ ही घंटों में खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बच्चों को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया। 23 अप्रैल की रात करीब 8:45 बजे पुलिस को सूचना मिली कि दो बच्चे अचानक लापता हो गए हैं। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें एक संदिग्ध महिला बच्चों को अपने साथ ले जाती नजर आई। आरोपी महिला ने बच्चों को चिप्स, चॉकलेट और अन्य चीजों का लालच देकर अपने साथ कार में बैठाया था।

मामा-मामी बने मकान के कब्जाधारी!

भांजी बोली–धमकी, पैसे की डिमांड और जान का खतरा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में पारिवारिक रिश्तों का कड़वा सच सामने आया है, जहां एक युवती ने अपने ही मामा-मामी पर मकान कब्जाने और धमकाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रीन पार्क कॉलोनी निवासी शबनूर खान ने शिकायत में बताया कि माता-पिता के निधन (2023) के बाद अब उनके नाना-नानी का शालीमार पैलेस स्थित मकान विवादों में घिर गया है।

शबनूर के मुताबिक, यह मकान उनकी मां साजेदा परवीन के नाम पर है, लेकिन मामा हारून रसीद (उर्फ जावेद इकबाल) और मामी इरम नाज अब उस पर अपना हक जता रहे हैं। आरोप है कि दोनों पहले ही

अपना हिस्सा ले चुके हैं, फिर भी अब जबरन कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं।

धमकी और पैसों का दबाव!

शिकायत में दावा किया गया है कि मामा-मामी उन्हें जेल भेजने की धमकी दे रहे हैं और पैसे मांग रहे हैं। इतना ही नहीं, मौसी के घर जाकर ?10 लाख की डिमांड तक कर डाली। शबनूर का कहना है कि विपक्षी पक्ष ने कॉल रिकॉर्डिंग का सिर्फ एक हिस्सा दिखाकर उनके मौसा सिराजुद्दीन पर झूठा केस दर्ज कराया है, जबकि असल में मामी खुद गाली-गलौज कर रही थीं। युवती ने आरोप लगाया कि लगातार धमकियों और दबाव के चलते वह खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। परिवार को मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है और जान से मारने की धमकी तक दी गई है। शबनूर खान ने अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इंदौर में रिश्तों की यह जंग अब कानून के दरवाजे तक पहुंच गई है–देखना होगा कि सच किसका सामने आता है!

तिहाड़ से चला बिश्नोई कनेक्शन, मप्र में रंगदारी का जाल – मास्टरमाइंड राजपाल रिमांड पर, बड़े खुलासे

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नेटवर्क ने अब मध्यप्रदेश में भी अपने पैर पसार लिए हैं। तिहाड़ जेल से रची गई साजिश के तहत रंगदारी, धमकी और फायरिंग का पूरा सिंडिकेट खड़ा किया गया। इस मामले में क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कथित मास्टरमाइंड राजपाल सिंह चंद्रावत को रिमांड पर लिया है। पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं, जो एमपी में संगठित अपराध के नए चेहरे की ओर इशारा कर रहे हैं।

तिहाड़ से बनी साजिश, एमपी बना नया टारगेट

पुलिस जांच में सामने आया है कि तिहाड़ जेल में बैठकर ही पूरे नेटवर्क की प्लानिंग की गई। राजपाल ने वहीं पर लॉरेंस बिश्नोई से मुलाकात कर मध्यप्रदेश में गैंग का विस्तार करने की रणनीति तैयार की। इसके बाद उज्जैन, धार और देवास के बदमाशों को जोड़कर एक लोकल मॉड्यूल खड़ा किया गया।

इंदौर के बड़े कारोबारियों पर थी नजर

जानकारी के मुताबिक, राजपाल ने इंदौर के कई बड़े कारोबारियों और बिल्डर्स की रेकी करवाई थी। बिल्डर विवेक दम्मानी से 5 करोड़ की रंगदारी मांगी गई, प्रॉपर्टी ब्रोकर चेतनसिंह पंवार और कुंवरसिंह भूरिया भी टारगेट पर थे धमकी देने वाले ने खुद को हैरी बॉक्सर बताया और विदेशी नंबरों से कॉल कर दहशत फैलाने की कोशिश की। यहां तक कि बिल्डर के बेटे की लोकेशन बताकर हत्या की धमकी दी गई।

मध्यप्रदेश में पहले भी आ चुके हैं धमकी के मामले

- विवेक दम्मानी (अप्रैल 2026) – 5 करोड़ की रंगदारी, बेटे को जान से मारने की धमकी
- संजय जैन (मार्च 2026) – 10 से 15 करोड़ की मांग, इंटरनेशनल कॉल्स
- विक्रम मेवाड़ा (फरवरी 2026) – 5 करोड़ की फिरौती, सुरक्षा बढ़ानी पड़ी

पुलिस की नजर में बड़ा नेटवर्क

क्राइम ब्रांच का मानना है कि यह सिर्फ शुरूआत है। गैंग अब मध्यप्रदेश में संगठित तरीके से रंगदारी वसूली और टारगेट किलिंग की साजिश रच रहा था। राजपाल से पूछताछ के बाद कई और बड़े नामों का खुलासा हो सकता है। निष्कर्षः तिहाड़ से संचालित यह बिश्नोई नेटवर्क अब एमपी में कानून-व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। पुलिस की इस कार्रवाई ने जरूर गैंग की कमर तोड़ी है, लेकिन आने वाले दिनों में और बड़े खुलासे होने तय माने जा रहे हैं।

रकम नहीं मिली तो घर पर बरसाई गोलियां

डीसीपी (क्राइम) राजेश त्रिपाठी के अनुसार, भीलगांव के कारोबारी दिलीपसिंह राठौर से 10 करोड़ की रंगदारी मांगी गई। पैसे नहीं मिलने पर बदमाशों ने उनके घर पर फायरिंग कर दी। जांच में सामने आया है कि इस पूरी वारदात के पीछे राजपाल की भूमिका थी, जिसने स्थानीय गुर्गों को सुपारी दी थी।

नागदा में सरेंडर, अब उगल रहा राज- पुलिस का दबाव बढ़ने पर राजपाल ने नागदा में नाटकीय अंदाज में सरेंडर कर दिया। फिलहाल वह रिमांड पर है और उससे पूछताछ में गैंग के कई और नेटवर्क, शूटर और फंडिंग चैनल सामने आने की संभावना है।

हमारा कर्तव्य बोध ही भारत को विश्व गुरु बनायेगा युवा बोलता है तब लगता है कि भारत बोल रहा है

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

आज का युवा भटक रहा है, नेतृत्वहीन है ये नकारात्मक विचार पूर्णतया तथ्यहीन है, भ्रामक है, सच्चाई यह है कि जब युवा बोलता है तक भारत बोलता है। जरुरत है कर्तव्य बोध की कुछ इस प्रकार के ओजपूर्ण विचार आज अभ्यास मण्डल द्वारा प्रेस क्लब में युवाओं के लिए आयोजित विचार गोष्ठी में सुनने के लिए मिले जिसका विषय था युवा नेतृत्व-सामाजिक सरोकार कार्यक्रम का संचालन कर रहे कुणाल भंवर ने स्वागत उद्बोधन दिया। इसके पश्चात मनीष भालेराव ने विषय प्रवर्तन करते हुए युवा व समाज तथा सरोकार की परिभाषाएं बताई और कहा कि समाज के साथ जुड़ना ही सरोकार है। इस अवसर पर सिर्फ युवाओं ने अपने विचार व्यक्त किए।

ब्रजेन्द्र धाकड़ ने कहा कि आज का युवा विवेकानन्द, सुखदेव,

खुशीराम बोस की तरह आगे नहीं आ रहा है। आवश्यकता है उन्हें सही दिशा देने की। सोनाली कनाडे ने कहा कि युवाओं को रील बनाने की बजाय अपनी जिम्मेदारी समझना चाहिए। परिवार से ही अनुशासन शुरू हो। भवानी आर्य का कहना रहा कि दिशा-विहीन युवाओं को अपनी सही राह स्वयं बनाना चाहिए। सौरभ गोसर ने कहा कि शहर के विकास में अपनी सोच व सहभागिता करनी चाहिए। आकाश यादव ने कहा कि राजनीति व प्रशासन में धनबल व बाहुबल को रोकने में युवा अपनी शक्ति लगाएं। लक्ष्मी नन्दिनी ने माता-पिता के नेतृत्व के साथ संस्कारों पर चर्चा की। हर्षदीप ने कहा कि इंटरनेट-सोशल मीडिया विकास में सहायक है पर युवाओं को इनका सही उपयोग करना चाहिए। यश जायसवाल कुछ नया कर गुजरने की इच्छा का नाम ही युवा है, बताया। युवा रजनीश ने कहा कि विघ्नों को गले लगाना व कांटों में राह बनाना ही युवाओं की पहचान है। प्रीतेश पटेल ने कहा कि युवाओं को विकास के पथ पर चलने के लिए जाति धर्म की बात नहीं करनी चाहिए। आज की गोष्ठी की विशेषता रही कि सभी युवाओं ने अपने मूल विचार रखें। आभार श्री स्वप्निल व्यास ने व्यक्त किया। इस अवसर पर अभ्यास मण्डल की माला ठाकुर ने प्रस्तावना व ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला 16 से 21 मई का विवरण दिया। अध्यक्ष श्री रामेश्वर गुप्ता व प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अरविन्द तिवारी ने भी विचार रखें व युवाओं की सहभागिता पर जोर दिया। कार्यक्रम में वैशाली खरे, हरेराम वाजपेयी, मुरली खण्डेलवाल, शफी शेख डॉ. एस.एल. गर्ग, श्री शाम पाण्डेय, मुकेश तिवारी, अर्पण जैन, एन.के. उपाध्याय व अनेक सुधीजन उपस्थित थे।

एमपी ट्रांसको छैगांव में सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस संभाग, बड़वाह की पहल पर छैगांव में जीवन रक्षक तकनीक सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रेससिटेशन) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शासकीय मेडिकल कॉलेज, खंडवा के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने प्रतिभागियों को सीपीआर की सैद्धांतिक जानकारी के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया। इस दौरान आपात स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया और प्राथमिक उपचार के महत्व पर विशेष जोर दिया गया।

प्रशिक्षण कार्यशाला में एमपी ट्रांसको के खंडवा, छैगांव, बड़वाह एवं जुलवानिया क्षेत्र के लगभग 80 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में शासकीय मेडिकल कॉलेज टीम खंडवा के प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (हृदय रोग) डॉ. रणजीत बडोले तथा डॉ. अनिल मंसारे ने विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान करते हुए सीपीआर की सही तकनीक, समयबद्धता और सावधानियों की जानकारी दी।

-इनकी रही उपस्थिति-

कार्यक्रम में एमपी ट्रांसको के अधीक्षण अभियंता, खंडवा सुरेन्द्र कुमार सोलंकी, कार्यपालन अभियंता (ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस) वीर सिंह भूरिया, कार्यपालन अभियंता (परीक्षण संभाग) सुखेन्द्र पाठक, कार्यपालन अभियंता आर के गुप्ता, सहायक अभियंता मनोज मोरे, दिनेश मोरे सहित अनिल अलावा, गणेश मंसारे एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंत्री सिलावट ने नवनिर्मित हॉस्पिटल का किया अवलोकन

मंत्री ने हॉस्पिटल का निर्माण गुणवत्ता के साथ अतिशीघ्र पूर्ण करने के दिये निर्देश

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

आज शुकवार को जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावटजी ने सांवेर विधानसभा के ग्राम पंचायत पिवडाय में 10 करोड की लागत से निमार्णाधीन 50 बेड के हॉस्पिटल का अवलोकन किया।

मंत्री सिलावट ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में स्वास्थ्य, शिक्षा, सडक और किसानों हितैषी कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, आज सांवेर के ग्राम पंचायत पिवडाय में लगभग 10 करोड़ की लागत से 50 बेड का अत्याधुनिक सर्वसुविधायुक्त हास्पीटल का निर्माण हो रहा है। इस हास्पीटल के निर्माण हो जाने से लगभग 25 से अधिक ग्रामों के 50 हजार लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त होगी। इस हास्पीटल में प्रसूति, 24 घंटे इमरजेंसी सुविधा के साथ ही 50 मरीजों को भर्ती कर स्वास्थ्य लाभ देने की योजना है। अवलोकन के दौरान मंत्री सिलावट ने अधिकारियों को हास्पीटल में मूलभूत सुविधाओं के साथ ही लिफ्ट, फर्नीचर, एसी सुविधा और खुले मैदान में गार्डन का निर्माण करने निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में भारतीय विदेश सेवा - 2025 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने सौजन्य भेंट की।

सफल प्रोफेशनल बनने के 12 सुनहरे नियम !!!

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

दोस्तों, तकनीक और व्यवसायिक प्रतियोगी जीवन में प्रोफेशनल के रूप में सम्मान पाने के लिए केवल ज्ञान या पद ही पर्याप्त नहीं है। इसके लिए तो आपको तकनीकी रूप से कुशल होने के साथ-साथ अपनी आदतों, व्यवहार और दृष्टिकोण पर भी कार्य करना होता है। आइए आज हम एक सफल प्रोफेशनल बनने के लिए आवश्यक 12 स्पष्ट और प्रभावी नियमों में समझते हैं:

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)

पहला नियम : जो कहें, उसे पूरा करें- आपकी विश्वसनीयता ही आपकी पहचान है। लोग आपकी बातों से ज्यादा आपके काम को याद रखते हैं। इसलिए हमेशा याद रखें, आपका हर वादा आपके चरित्र का प्रतिबिंब होता है।

दूसरा नियम : हर व्यक्ति का सम्मान करें- पद, स्थिति या भूमिका से परे हर व्यक्ति को सम्मान देना आपकी परिपक्वता दर्शाता है। वैसे भी सच्चा सम्मान बिना भेदभाव के दिखता है।

तीसरा नियम : सफलता का श्रेय साझा करें- एक सच्चा प्रोफेशनल और लीडर हमेशा अपनी टीम को आगे बढ़ाता है क्योंकि वह जानता हैं कि जब आप श्रेय बांटते हैं, तो विश्वास और सहयोग मजबूत होता है।

चौथा नियम : ज्यादा सुनें, कम बोलें- सुनना एक शक्तिशाली कौशल है। यह न केवल समझ बढ़ाता है बल्कि सामने वाले को सम्मानित महसूस कराता है।

पाँचवाँ नियम : गलतियों को स्वीकार करें- गलतियाँ छिपाने से भरोसा कम होता है, जबकि उन्हें स्वीकार करने से विश्वास बढ़ता है। इसके साथ ही गलतियों को स्वीकारना आपको सीखने के लिए तैयार करता है और सीखने की मानसिकता आपको आगे ले जाती है।

छठा नियम : मुझे नहीं पता कहना सीखें- याद रखें, हर चीज़ जानना जरूरी नहीं है। विनम्रता और सीखने की इच्छा ही वास्तविक विकास का आधार है।

सातवां नियम : दबाव में शांत रहें- कठिन परिस्थितियों में आपका संयम ही आपकी असली ताकत है। जब आप दबाव और विपरीत परिस्थितियों में शांत रहते हैं तब आप दूसरों में भरोसा और आत्मविश्वास पैदा करते हैं।

आठवाँ नियम : फीडबैक लें और अपनाएं- फीडबैक विकास का सबसे सशक्त माध्यम है। इसे आलोचना नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में देखें।

नवाँ नियम : निरंतरता बनाए रखें- सफलता एक दिन में नहीं मिलती। लगातार किए गए प्रयास ही आपको विश्वसनीय और सम्मानित बनाते हैं।

दसवाँ नियम : सही के लिए खड़े हों- ईमानदारी और नैतिकता कभी पुरानी नहीं होती। कठिन परिस्थितियों में भी सही का साथ देना आपकी पहचान बनाता है।

ग्यारहवाँ नियम : सीमाएँ तय करें और सम्मान दें- अपनी सीमाओं को जानना और दूसरों की सीमाओं का सम्मान करना स्वस्थ रिश्तों की नींव है।

बारहवाँ नियम : दूसरों को महत्वपूर्ण महसूस कराएं- लोग आपको इसलिए याद रखते हैं कि आपने उन्हें कैसा महसूस कराया। उन्हें महत्व देना सबसे बड़ा नेतृत्व गुण है।

अंत में निष्कर्ष के तौर पर इतना ही कहूँगा की सम्मान कोई ऐसी चीज़ नहीं जिसे मांगा जाए, इसे तो सिर्फ़ कमाया जाता है। जब आप इन 12 नियमों को अपने व्यवहार में उतारते हैं, तो न केवल आपका व्यक्तित्व निखरता है, बल्कि आप एक ऐसे प्रोफेशनल बनते हैं, जिनके साथ हर कोई काम करना चाहता है।

छात्र जीवन में भारतीय संस्कृति के मूलाधार शिक्षण से सशक्त, नैतिक समाज का निर्माण संभव है - डॉ. शर्मा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

श्री जी अंतरराष्ट्रीय शिक्षण संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा प्रबुद्धजन-छात्र साक्षात्कार में डॉ भरत शर्मा बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए और और उन्होंने भारतीय संस्कृति और छात्र जीवन पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को शांत कर भारतीय संस्कृति के महत्व से अवगत कराया।

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य और देश की कई सामाजिक, खेल और वाणिज्य संस्थाओं में वरिष्ठ पद पर सुशोभित रहे डॉ भरत शर्मा ने अपने साक्षात्कार में कहा कि छात्र जीवन मनुष्य के जीवन का वह स्वर्णिम काल है, जिसमें उसका व्यक्तित्व, विचार और चरित्र निर्मित होते हैं। इस अवस्था में प्राप्त शिक्षण और संस्कार ही भविष्य की दिशा तय करते हैं। भारतीय परंपरा में शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन को श्रेष्ठ बनाने की साधना मानी गई है। भारतीय दृष्टिकोण में छात्र जीवन में अनुशासन, संयम, परिश्रम

और आत्म-नियंत्रण सीखता है जिससे वह चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्यों का विकास, आत्मज्ञान और आत्मनिर्भरता, समाज और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध में पारंगत होकर राष्ट्र विकास में अपना योगदान देता है। प्राचीन गुरुकुल प्रणाली में शिक्षा सत्यं वद, धर्मं चर – सत्य बोलो और धर्म का आचरण करना जीवनोपयोगी, व्यवहारिक और आध्यात्मिक होती थी। गुरु-शिष्य संबंध में श्रद्धा और समर्पण का विशेष महत्व था। आज की शिक्षा प्रणाली में तकनीकी ज्ञान तो बढ़ा है, लेकिन नैतिक शिक्षा का अभाव दिखता है। प्रतियोगिता, तनाव और भौतिकवाद के कारण विद्यार्थी अपने मूल्यों से दूर हो रहे हैं। ऐसे में भारतीय संस्कृति के सिद्धांत, योग, अध्यात्म और संस्कार उन्हें संतुलन और दिशा दे सकते हैं। डॉ भरत शर्मा का स्वागत छात्र संगठन के पदाधिकारी श्रेयांश मैथिली , ग्रंथ जोशी, मिष्टी शर्मा, वैशाली ने पुष्पगुच्छ और हस्तलिखित सम्मान पत्र देकर किया। उक्त अवसर पर शिक्षकद्वय आशुतोष शर्मा, कणिका सोनी, बालेश मुदलियार और आलोक वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

जनगणना प्रशिक्षण का आज से प्रारंभ

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। 0जनगणना कार्य की तैयारियों को गति देते हुए आज से प्रशिक्षण का तीसरा चरण प्रारंभ हो गया है। इसमें लगभग 1750 अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण का आयोजन होलकर साइंस कॉलेज में किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण अपर कलेक्टर एवं जनगणना के प्रभारी अधिकारी श्री नवजीवन विजय पवार तथा जिला जनगणना अधिकारी और अपर आयुक्त नगर निगम श्री एन. एन. पाण्डे ने किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा जनगणना से संबंधित विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

शासकीय होलकर कॉलेज: इंटर्नशिप के नाम पर छात्रों से लाखों रुपए वसूलने का आरोप, उच्च शिक्षा विभाग ने बनाई जांच समिति

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शासकीय होलकर कॉलेज में इंटर्नशिप के नाम पर छात्रों से लाखों रुपए वसूलने का मामला सामने आया है। छात्र संगठनों का कहना है कि इसमें कॉलेज के शिक्षकों की भी भूमिका है। वहीं कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा पूरे मामले को जांच में लिया गया है। जल्द ही जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाएगी।

कॉलेज प्रशासन पर मिलीभगत के आरोप

एनएसयूआई के शहर अध्यक्ष जावेद खान के अनुसार कॉलेज प्रशासन और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट अधिकारी इस मामले में मिले हुए हैं। जावेद ने बताया कि कॉलेज द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए इन्फ्लक्स सोर्सिंग कंपनी के साथ एक एमओयू साइन किया गया था, जिसके बाद से ही विद्यार्थियों पर जबरन इंटर्नशिप करने का अनुचित दबाव बनाया जा रहा है। इंटर्नशिप के नाम पर केवल पर्सनैलिटी डेवलपमेंट और स्पोकन इंग्लिश की कक्षाएं संचालित की गईं, जबकि कोर्स पूरा होने के बाद छात्रों को जो सर्टिफिकेट दिए गए, वे किसी अन्य कोर्स और कंपनी के थे।

प्रमाण पत्रों और वसूली को लेकर उठे सवाल

जावेद ने आरोप लगाया है कि कॉलेज में प्लेसमेंट और इंटर्नशिप की सुविधा देने के नाम पर प्रत्येक छात्र से 3000 रुपए तक की राशि वसूली गई है। किसी छात्र से 500, किसी से 1 हजार तो किसी से 3 हजार रुपए तक लिए हैं। जबकि उच्च शिक्षा विभाग ने कॉलेज को इंटर्नशिप के लिए कंपनी हायर करने का कोई अधिकार नहीं दिया। इस पूरे मामले में एक बड़ी विसंगति यह सामने आई कि इंटर्नशिप की प्रक्रिया इन्फ्लक्स सोर्सिंग कंपनी के माध्यम से कराई गई थी, लेकिन जब प्रमाण पत्र वितरित किए गए तो उन पर वेल्प कंसल्टेंसी लिमिटेड का नाम अंकित था। छात्रों ने जब इंटरनेट के माध्यम से कंपनी की पड़ताल की तो उन्हें जानकारी मिली कि इस संस्था का विजय नगर स्थित कार्यालय भी मौजूद नहीं है। इससे पूरे मामले में मिलीभगत की आशंका जताई जा रही है।

फर्जी ऑफिस और व्हाट्सएप के जरिए दबाव का आरोप

विद्यार्थियों ने शिकायत की है कि कॉलेज के कुछ अधिकारी और शिक्षक व्हाट्सएप ग्रुप्स के माध्यम से लगातार संदेश भेज रहे थे। इन संदेशों में अलग-अलग क्यूआर कोड भेजकर जल्द से जल्द फीस जमा करने का दबाव बनाया जा रहा था। जब छात्रों ने इंटर्नशिप एजेंसी के दिए गए पते पर जाकर वास्तविकता जाननी चाही, तो वहां किसी भी प्रकार का कार्यालय मौजूद नहीं मिला। ऑफिस गायब होने की इस बात ने एजेंसी के फर्जी होने के आरोपों को और अधिक पुख्ता कर दिया है। छात्र नेताओं ने मांग की है कि विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट अधिकारी की भी इस पूरे घटनाक्रम में भूमिका की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

बड़े आंदोलन की चेतावनी

जावेद खान ने स्पष्ट मांग रखी है कि इस फर्जी इंटर्नशिप एजेंसी के काम को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए। साथ ही, जिन छात्रों से राशि वसूली गई है, उन्हें उनके पैसे वापस किए जाएं और भविष्य में उन्हें स्वतंत्र रूप से अपनी पसंद की जगह पर इंटर्नशिप करने की अनुमति प्रदान की जाए। इसके अलावा, छात्रों के दस्तावेजों के संभावित दुरुपयोग पर भी तत्काल रोक लगाने की बात कही गई है। जावेद खान ने कहा कि यदि प्रशासन ने जल्द ही ठोस कार्रवाई नहीं की, तो वे कुलगुरु, उच्च शिक्षा विभाग और लोकायुक्त के पास शिकायत दर्ज कराएंगे। साथ ही जरूरत पड़ने पर भोपाल में बड़े स्तर पर आंदोलन शुरू किया जाएगा। कॉलेज की प्रिंसिपल अनामिका जैन ने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग ने इस मामले में एक जांच समिति बनाई, जिसकी जांच पूरी हो चुकी है। रिपोर्ट जल्द ही सार्वजनिक होगी। अभी मैं बस इतना कह सकती हूं कि कॉलेज प्रबंधन और शिक्षकों पर लगाए गए सभी आरोप पूरी तरह से निराधार हैं। इस विषय में हमने संबंधित छात्रों से भी बात की है और उन सभी का पक्ष भी सुना है।

महू की जानापाव की पहाड़ी की सूखी घास में आग, पहाड़ पर छाए धुएं के बादल

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के समीप महू में जानापाव की पहाड़ी में गुरुवार शाम आग लग गई। आग से पहाड़ी क्षेत्र में धुएं के बादल दिखाई देने लगे। पिछले सप्ताह ही मुख्यमंत्री मोहन यादव जानापाव आए थे और उन्होंने इसे पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने की बात कही थी, लेकिन जानापाव की पहाड़ी पर हर साल आग लगने की घटनाएं होती रहती हैं।

शुक्रवार को लगी आग की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग का अमला सक्रिय हुआ और आग बुझाने के प्रयास शुरू किए गए।आग रात को पहले सूखी झाड़ियों में लगी। इसके बाद पहाड़ी क्षेत्र में तेजी से आग फैली। रास्ते से गुजर रहे वाहन चालकों को दूर से ही पहाड़ी पर लगी आग नजर आ रही थी। कुछ ही देर में पहाड़ी के बड़े हिस्से को आग ने अपनी चपेट में ले लिया। वन विभाग के कर्मचारी आग बुझाने के लिए पहुंचे, लेकिन पहाड़ी के दुर्गम रास्तों पर आग बुझाने के उपकरण ले जाने में परेशानी हुई। तेज हवाओं के कारण आग तेजी से फैली, हालांकि देर रात तक आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन धुआं फिर भी वातावरण में नजर आता रहा। आग क्यों लगी, इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। आग लगने से पहाड़ों के कितने पेड़ जले और जैव विविधता को कितना नुकसान हुआ, इसका आकलन आग पर पूरी तरह काबू पाने के बाद ही वन विभाग की टीम करेगी।

बड़े स्कूलों पर कार्रवाई से पैरेंट्स को राहत, कॉपी-किताब, ड्रेस और फीस में खत्म हो रही मनमानी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के निजी स्कूलों में कॉपी, किताब, फीस और ड्रेस को लेकर बनाई गई मोनोपोली के खिलाफ जिला प्रशासन का अभियान निरंतर जारी है। हेल्पलाइन नंबरों पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर प्रशासन द्वारा की गई इन कार्रवाइयों से अभिभावकों को बड़ी राहत मिली है। वहीं प्रशासन की सक्रियता के साथ ही हेल्पलाइन पर स्कूलों के खिलाफ शिकायतों का ग्राफ भी बढ़ता जा रहा है। हाल के दिनों में प्रशासन ने तीन प्रमुख संस्थानों पर बड़ी कार्रवाई की है, जिससे जनमानस में जागरूकता बढ़ी है।

प्रशासन द्वारा की गई पहली बड़ी कार्रवाई गांधीनगर स्थित गुरुकुल शांति (वर्ल्ड पीस स्कूल) के विरुद्ध हुई है। यहां के संचालक और प्राचार्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह मामला तब प्रकाश में आया जब एक अभिभावक ने शिकायत दर्ज कराई कि स्कूल प्रबंधन विद्यार्थियों को केवल स्कूल परिसर के भीतर स्थित दुकान से ही किताबें खरीदने के लिए विवश कर रहा है। जांच में पाया गया कि वे पुस्तकें बाजार की अन्य दुकानों पर उपलब्ध नहीं कराई गई थीं। जब जांच दल मौके पर पहुंचा, तो प्राचार्य ने पुस्तकों की व्यवस्था से जुड़े तथ्यों को लिखित में स्वीकार किया। प्रशासन ने इसे पूर्व में जारी प्रतिबंधात्मक आदेशों का उल्लंघन मानते हुए भारतीय दंड विधान की धारा 223 के तहत थाना गांधीनगर में मामला दर्ज कराया है। दूसरी कार्रवाई स्कीम नंबर 78, विजय नगर स्थित डेजी डेल्स स्कूल और विजय नगर क्षेत्र की प्रिंसेस रेजिडेंसी में संचालित इंदौर बुक वाला पर की गई है। इन दोनों संस्थानों के संचालकों के विरुद्ध विजय नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिला प्रशासन को यह सूचना मिली थी कि डेजी डेल्स स्कूल द्वारा अभिभावकों पर एक ही दुकान से सामग्री खरीदने का दबाव बनाया जा रहा है। जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि स्कूल द्वारा निर्धारित पुस्तकें बाजार में कहीं और उपलब्ध नहीं थीं और केवल इंदौर बुक वाला पर ही मिल रही थीं। गठित जांच दल ने इन आरोपों की पुष्टि होने के बाद कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की। तीसरी कार्रवाई महू क्षेत्र के श्री साईं एकेडमी स्कूल और विद्या श्री स्टेशनरी के खिलाफ की गई है। यहां की शिकायतों में यह बात सामने आई थी कि स्कूल संचालक और स्टेशनरी दुकानदार आपस में मिलकर अभिभावकों पर महंगी सामग्री खरीदने का दबाव डाल रहे थे।

भोजशाला विवाद-मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाने का कोई सबूत नहीं, मुस्लिम पक्ष का दावा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में धार जिले स्थित भोजशाला परिसर के धार्मिक स्वरूप को लेकर चल रही सुनवाई में गुरुवार को मुस्लिम पक्ष ने पक्ष रखा। वकीलों की तरफ से तर्क रखा गया कि इस बात का कोई ठोस प्रमाण नहीं है कि वहां किसी विशेष मंदिर को तोड़कर मस्जिद बनाई गई थी। इंदौर खंडपीठ के जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी इस मामले में दायर याचिकाओं और एक रिट अपील पर सुनवाई कर रहे हैं।

मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसाइटी धार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद ने अदालत में विस्तृत दलीलें रखते हुए कहा कि किसी विशिष्ट काल में मंदिर को तोड़ कर उसी स्थान पर मस्जिद बनाए जाने का कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं है। उन्होंने 2003 में ब्रिटिश हाई कमीशन द्वारा मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री को भेजे गए एक कथित पत्र का हवाला देते हुए कहा कि लंदन के ब्रिटिश म्यूजियम में रखी जिस प्रतिमा को हिंदू पक्ष वाग्देवी (मां सरस्वती) की मूर्ति बता रहा है, वह वास्तव में जैन देवी अंबिका की प्रतिमा है। खुर्शीद ने सुप्रीम कोर्ट के राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मामले के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि इस विवाद का समाधान भी स्थापित कानूनी सिद्धांतों और साक्ष्यों के आधार पर होना चाहिए, जैसा कि सिविल मुकदमों में किया जाता है। उन्होंने अदालत से आग्रह किया कि सभी दस्तावेजों, ग्रंथों और साक्ष्यों की जांच की जाए। उन्होंने रामसेवक गर्ग की पुस्तक हजरत मौलाना कमालुद्दीन चिश्ती (रहमतुल्लाह अलैह) का हवाला देते हुए कहा कि धार जो कभी मालवा की राजधानी थी, इतिहास में कई बार हमलों, लूट और पुनर्निर्माण का केंद्र रहा है। इसमें हिंदू शासकों की गतिविधियां भी शामिल थीं। खुर्शीद ने यह भी कहा कि 1305 में मालवा पर आक्रमण करने वाले अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति ऐन-उल-मुल्क मुल्तानी को धार को अलग से लूटने या नष्ट करने की आवश्यकता नहीं थी, क्योंकि उन्होंने मांडू जीतने के बाद सीधे शासन स्थापित कर लिया था। उन्होंने यह तर्क भी दिया कि कमालुद्दीन चिश्ती से जुड़ी मस्जिद उस समय के शासक की ओर से परिसर में बनवाई गई थी, न कि किसी मंदिर को बलपूर्वक तोड़कर। अब इस मामले की अगली सुनवाई सोमवार को होगी।

निलंबित पुलिसकर्मी ने सुलझाई हत्या की गुत्थी अपशब्द कहने पर की थी मजदूर की हत्या

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के लसूडिया क्षेत्र में एक अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझा ली गई है और पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को पकड़ने में हाल ही में थाने से निलंबित एसआई संजय विश्नोई की अहम भूमिका रही। निलंबन से पहले वे इस केस की जांच कर रहे थे, इसलिए उन्होंने जांच जारी रखी।

मृतक कड़वा पिता राजाराम दगोड़ का शव स्कीम-136 के एक खाली मैदान में सिर कुचली हालत में मिला था। शव के पास से शराब की बदबू भी आ रही थी, जिसके चलते पुलिस ने जांच की दिशा नजदीकी शराब दुकान की ओर मोड़ी। शराब दुकान के सीसीटीवी फुटेज में 16 अप्रैल की रात कड़वा को प्रमोद पिता फूलचंद अपनी बाइक पर ले जाते हुए दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस का शक उस पर गहराया और उसकी जानकारी जुटाई गई। बाइक नंबर के आधार पर आरोपी तक पहुंचा गया। जांच में सामने आया कि कड़वा और प्रमोद के बीच शराब दुकान के बाहर मामूली विवाद हुआ था। कड़वा द्वारा गाली देने पर प्रमोद को गुस्सा आ गया। इसके बावजूद उसने कड़वा को घर छोड़ने का झांसा दिया और बाइक पर बैठा लिया। रास्ते में उसने कड़वा को गिराकर उसके सिर पर पत्थर का ब्लॉक मार दिया और फरार हो गया।आरोपी प्रमोद मजदूरी करता है, जबकि कड़वा लाहिया नगर का निवासी था और वह भी मजदूरी करता था। दोनों की मुलाकात अक्सर मजदूर चौक पर होती थी।

कृष्णपुरा छत्री पर बेसुध मिली महिला की मौत

एमजी रोड क्षेत्र स्थित कृष्णपुरा छत्री पर सीमा प्रजापति नामक महिला बेसुध अवस्था में मिली। वह गुरुवार को अपने घर से लापता हो गई थी। उसका भाई अमन उसे अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस को हत्या की सूचना मिली थी, लेकिन जांच में सामने आया कि महिला की मौत जहर खाने से हुई। परिजनों ने आरोप लगाया है कि उसका पति उसके साथ मारपीट करता था। फिलहाल पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि यह आत्महत्या का मामला है या महिला को

निचली अदालतों को हाईकोर्ट की सख्त हिदायत, अब पॉक्सो कोर्ट सीधे दे सकेंगे गर्भपात की मंजूरी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए दुष्कर्म के कारण गर्भवती हुई एक नाबालिग लड़की को गर्भपात कराने की अनुमति प्रदान कर दी है। अदालत ने अपने निर्णय के दौरान इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त की है कि पीड़िता और उसके परिवार को निचली अदालत से राहत नहीं मिल सकी, जिसके कारण उन्हें उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ा। न्यायमूर्ति ने निचली अदालतों के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि भविष्य में ऐसे मामलों में विशेष पॉक्सो कोर्ट स्वयं कानून और मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करते हुए गर्भपात की अनुमति दे सकते हैं। इस व्यवस्था से पीड़िताओं को अनावश्यक रूप से उच्च न्यायालय तक आने की बाध्यता नहीं रहेगी और उन्हें समय पर न्याय मिल सकेगा।

यह पूरा मामला रतलाम जिले से संबंधित है, जहां जनवरी 2022 में 16 वर्षीय नाबालिग के साथ दुष्कर्म की घटना घटित हुई थी। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 376, 506 और पॉक्सो अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया था। घटना के पश्चात बालिका गर्भवती हो गई थी, जिसके संबंध में मार्च 2022 में औद्योगिक थाना रतलाम में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।

पीड़िता की माता ने सबसे पहले विशेष पॉक्सो कोर्ट से गर्भपात की अनुमति के लिए गुहार लगाई थी। पीड़िता के एडवोकेट नीरज सोनी ने अदालत में तर्क दिया गया था कि चूंकि बालिका नाबालिग है और दुष्कर्म की शिकार हुई है, इसलिए चिकित्सकीय गर्भ समापन अधिनियम, 1971 के प्रावधानों के तहत पंजीकृत डॉक्टरों को गर्भपात की अनुमति देनी चाहिए। हालांकि, निचली अदालत ने इसे अपने क्षेत्राधिकार से बाहर बताते हुए आवेदन को निरस्त कर दिया था।

शराबियों के 37 करोड़ रुपये के चालान कटे, ड्रिंक एंड ड्राइव में इंदौर पुलिस ने तोड़े रिकॉर्ड

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शहर में शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ पुलिस प्रशासन का शिकंजा कसता जा रहा है। हालांकि, लगातार जारी सख्ती के बावजूद नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों की संख्या में गिरावट नहीं देखी जा रही है। इंदौर पुलिस द्वारा संचालित विशेष अभियान के तहत बीते सवा साल के भीतर की गई कार्रवाई ने अब तक के सभी पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के माध्यम से सरकारी खजाने में 37 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा होने की स्थिति बन गई है।

इंदौर पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने और नशे की हालत में होने वाली दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पिछले डेढ़ वर्षों से यह अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, जनवरी 2025 से लेकर 19 अप्रैल 2026 के मध्य कुल 37,658 चालान काटे गए हैं। मोटर व्हीकल एक्ट के प्रावधानों के तहत न्यूनतम 10 हजार रुपये प्रति चालान की दर से यह कुल राशि 37 करोड़ रुपए से ऊपर निकल गई है। आंकड़ों में एक चिंताजनक पहलू यह भी है कि वर्ष 2025 में कुल 23,049 मामले दर्ज किए गए थे, जबकि वर्ष 2026 के शुरूआती साढ़े तीन महीनों में ही चालानों की संख्या 14,609 तक पहुंच चुकी है। यह दर्शाता है कि पुलिस की कड़े रुख के बाद भी वाहन चालक अपनी आदतों में सुधार नहीं कर रहे हैं। विगत वर्षों की तुलना करने पर पता चलता है कि साल 2025 में इस अभियान के तहत सबसे अधिक कार्रवाई की गई। वर्ष 2023 में जहां पुलिस ने 5,964 चालान बनाए थे और वर्ष 2024 में 6,572 चालान किए गए थे, वहीं 2025 में यह संख्या अचानक बढ़कर 23,049 हो गई। पिछले वर्षों के मुकाबले यह वृद्धि लगभग चार गुना अधिक दर्ज की गई है, जिससे साफ है कि इंदौर पुलिस ने देर रात सड़कों पर निगरानी काफी बढ़ा दी है। शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के अंतर्गत कानूनी कार्रवाई की जाती है। इस नियम के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति की सांस में अल्कोहल की मात्रा 30एमजी/100एमएल से अधिक पाई जाती है, तो वह दंड का पात्र होता है।

वर्ष 2026 के शुरूआती महीनों में ही बढ़ी चालानों की रफ्तार

अगर केवल मौजूदा वर्ष 2026 के आंकड़ों पर नजर डालें, तो मात्र साढ़े तीन महीने की अवधि में पुलिस ने पिछले दो वर्षों के संयुक्त आंकड़ों से भी अधिक चालान बना दिए हैं। 1 जनवरी 2026 से 19 अप्रैल 2026 के बीच ही ड्रिंक एंड ड्राइव के 14,609 मामले सामने आए हैं। यह गति बताती है कि शहर की सड़कों पर देर रात चेकिंग कितनी सघन कर दी गई है।

इंदौर से होगी प्रदेश के 54 जिलों की हाईटेक निगरानी एमपीपीएससी में कंट्रोल रूम से जुड़ेंगे सभी परीक्षा केंद्र

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग परिसर इंदौर में आज एमपीपीएससी कमांड कंट्रोल रूम का औपचारिक शुभारंभ संपन्न हुआ। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेश लाल मेहरा ने फीता काटकर इस अत्याधुनिक कंट्रोल रूम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोग की सचिव शीतला पटले, उप सचिव कीर्ति खुरासिया, आयोग के सदस्य नरेन्द्र कोष्ठी, डॉ. पिंकेश लता रघुवंशी, परीक्षा नियंत्रक वीरेन्द्र कुमार गुप्ता, ओएसडी डॉ. रविन्द्र पंचभई, निधि राजपूत, एनआईसी के निदेशक शैलेन्द्र नाहर और इनोवेटिव इंडिया लिमिटेड के वाइस प्रेसीडेंट दीपक द्विवेदी विशेष रूप से मौजूद रहे।

उद्घाटन के पश्चात आयोग के अध्यक्ष राजेश लाल मेहरा ने कमांड कंट्रोल रूम का विस्तृत अवलोकन किया और इसकी कार्यक्षमता की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान जानकारी दी गई कि इस कंट्रोल रूम की स्थापना से आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली आगामी सभी भर्ती प्रक्रियाओं को नई मजबूती मिलेगी। इसके माध्यम से परीक्षा के दौरान होने वाली कदाचरण की समस्याओं को प्रभावी ढंग से दूर किया जा सकेगा। इस कंट्रोल रूम में राज्य सेवा परीक्षा 2026 के लिए नवीन त्रि-स्तरीय सुरक्षा प्रक्रिया के तहत उन्नत प्रौद्योगिकी को समाहित किया गया है।

परसों होने वाली परीक्षा की निगरानी इसी केंद्र से होगी- नई व्यवस्था के अंतर्गत अभ्यर्थियों के लिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, सीसीटीवी वेबकास्टिंग के जरिए निरंतर निगरानी और अत्याधुनिक मेटल डिटेक्टर द्वारा महिला एवं पुरुष अभ्यर्थियों की अलग-अलग तलाशी की सुविधा शामिल की गई है। इस कंट्रोल रूम के माध्यम से प्रदेश के सभी 54 जिला मुख्यालय केंद्रों पर आयोजित होने वाली परीक्षाओं की सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाएगी। यदि किसी भी केंद्र पर गड़बड़ी की आशंका या आपातकालीन स्थिति उत्पन्न होती है, तो कंट्रोल रूम से सीधे केंद्राध्यक्षों से संवाद कर त्वरित समाधान निकाला जा सकेगा। आगामी 26 अप्रैल को होने वाली राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा की निगरानी भी इसी केंद्र से की जाएगी। इससे एमपीपीएससी की पूरी व्यवस्था को फायदा होगा।

संविदा श्रमिकों के नियोजन हेतु प्रधान नियोक्ता के रूप में पंजीयन कराना अनिवार्य

इंदौर। मध्यप्रदेश के समस्त शासकीय विभागों, मण्डलों, निगमों एवं अन्य संस्थाओं के संज्ञान में लाया गया है कि जो भी विभाग /संस्थाएं ठेकेदारों अथवा आउटसोर्स एजेंसियों के माध्यम से कार्य (विशेषतः निर्माण कार्य एवं अन्य सेवाएं) करवा रहे हैं, उन्हें संविदा श्रम (विनियमन एवं उन्मूलन) अधिनियम, 1970 की धारा 7 के अंतर्गत प्रधान नियोक्ता के रूप में पंजीयन कराना अनिवार्य है। साथ ही व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य दशा संहिता, 2020 की धारा 47 से 50 के अंतर्गत ठेका श्रमिकों के नियोजन एवं पंजीयन से संबंधित प्रावधान भी लागू है। बिना पंजीयन के किसी भी प्रकार से ठेका श्रमिकों का नियोजन न किया जाए। इस हेतु समस्त संबंधित विभाग/संस्थाएं तत्काल पंजीयन की कार्यवाही सुनिश्चित करें। उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित नियोक्ता के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही किये जाने के प्रावधान है। श्रम विभाग द्वारा समस्त संबंधित विभागों/निगमों/मण्डलों से अपेक्षा की गई है कि वे श्रम कानूनों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करें एवं नियमानुसार पंजीयन प्राप्त करें।

मंत्री प्रतिमा बागरी की बढ़ेंगी मुश्किलें हाईकोर्ट ने 60 दिन में मांगी रिपोर्ट

राज्य सरकार 60 दिन में पेश करे रिपोर्ट- हाईकोर्ट

जबलपुर ■

मध्यप्रदेश के सतना जिले की रैगांव विधानसभा सीट से विधायक और राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। प्रतिमा बागरी के खिलाफ दायर फर्जी प्रमाण पत्र की याचिका पर सुनवाई करते हुए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाई है। शुक्रवार को हाईकोर्ट में प्रतिमा बागरी के जाति प्रमाण पत्र को लेकर सुनवाई हुई और कोर्ट ने प्रतिमा बागरी के जाति प्रमाण पत्र को लेकर सरकार से 60 दिन में रिपोर्ट मांगी है। हाईकोर्ट ने ये भी कहा है कि सरकार के द्वारा दी गई रिपोर्ट की उच्च स्तरीय समिति जांच करेगी।

हाईकोर्ट की डबल बेंच, न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल एवं न्यायमूर्ति अविनेद्र कुमार सिंह ने याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा कि पिछले लगभग 1 वर्ष से इस मामले की जांच लंबित क्यों रखी गई और इसे दबाकर क्यों रखा गया। कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देशित किया है कि उच्च स्तरीय छानबीन समिति इस मामले की 60 दिनों (दो माह) के भीतर जांच कर निर्णय प्रस्तुत करे। कोर्ट ने 20 जून तक का समय छानबीन समिति को दिया है। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकेश अग्रवाल ने इस मामले में पैरवी की।

कांग्रेस नेता ने दायर की है याचिका

राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के प्रमाण पत्र को फर्जी बताते हुए कांग्रेस नेता प्रदीप अहिरवार ने मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। प्रदीप अहिरवार ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि मंत्री प्रतिमा बागरी ने प्रशासनिक मिलीभगत से फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनवाकर सतना जिले की एससी आरक्षित रैगांव सीट से चुनाव लड़ा और जीत हासिल की और राज्यमंत्री बनी हैं। कांग्रेस नेता प्रदीप अहिरवार ने अपनी याचिका में 1961 और 1971 की जाति जनगणना का हवाला देते हुए बताया है कि पन्ना, सतना और सिवनी जिलों में बागरी जाति को अनुसूचित जाति में शामिल नहीं किया गया था। इसके साथ ही उन्होंने 2003 में राज्य स्तरीय जाति छानबीन समिति के निर्णय और 2007 में केंद्र सरकार के राजपत्र का भी उल्लेख याचिका में किया है, जिसमें राजपूत समुदाय के बागरी को एससी श्रेणी में नहीं माना गया। याचिकाकर्ता ने कोर्ट से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो मंत्री के खिलाफ संवैधानिक कार्रवाई की जाए।

एमपी की कोर्ट ने सिंगर अदनान सामी को भेजा नोटिस

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर की एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज कोर्ट में साल 2022 के एक मामले में सुनवाई करते हुए बॉलीवुड सिंगर अदनान सामी को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। महिला की शिकायत पर सुनवाई की जिसमें कोर्ट ने अदनान सामी से 20 मई तक जवाब मांगा है। अदनान के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप लगाए गए है। आरोप है कि उन्होंने 17.62 लाख रुपए की एडवांस पेमेंट लेने के बाद भी ग्वालियर में शो नहीं किया। मामला नवंबर 2022 का है। दरअसल, नवंबर 2022 को अदनान सामी का ग्वालियर में शो का आयोजन होना था। इस शो की आयोजक लावन्या सक्सेना थी। लावन्या ने अदनान सामी के खिलाफ आरोप लगाया कि उन्होंने 17.62 लाख रुपए की एडवांस पेमेंट लेने के बाद भी ग्वालियर में शो नहीं किया।

मुझे बचा लो मां.. कॉल के कुछ मिनट बाद हो गई अनहोनी, 8 महीने की गर्भवती है पत्नी

उज्जैन ■

मध्यप्रदेश के उज्जैन शहर में नानाखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव पंथपिपलई में बीते दिन रात 2.30 बजे युवक का संदिग्ध हालत में शव मिला। परिवार का आरोप है, उसकी ससुराल वालों ने हत्या की है। युवक ने रात 2 बजे अपनी मां को फोन कर कहा था कि मुझे बचा लो... और कुछ ही देर बाद परिवार वाले उसकी तलाश में निकले तो लाश सड़क किनारे पत्थरों के ढेर के पास मिली। सुबह उसकी मौत की खबर से मामला गरमा गया। परिवार सहित आक्रोशित ग्रामीण नानाखेड़ा थाने पहुंचे और घेराव कर चक्काजाम किया।

मामला पंथपिपलई रोड का है, जहां बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात करीब 2:30 बजे पुलिस को सड़क किनारे युवक का शव पड़ा होने की सूचना मिली। एफआरवी मौके पर पहुंची और शव को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। मृतक की पहचान राजनाथ उर्फ राजाराम पिता दिलीप नाथ निवासी कोलूखेड़ी के रूप में हुई। गुरुवार दोपहर गुस्साए परिजन, समाजजन और क्षेत्रीय पार्षद प्रतिनिधि परमानंद मालवीय के साथ नानाखेड़ा थाने पहुंचे। सड़क पर बैठकर चक्काजाम किया गया। माहौल तनावपूर्ण हो गया। बाद में पुलिस अधिकारियों ने निष्पक्ष जांच और हत्या एंगल पर कार्रवाई का भरोसा दिया, तब प्रदर्शन खत्म हुआ। मालवीय ने बताया कि हमने पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की है। परिवार का आरोप है, उसकी हत्या ससुराल वालों ने की। इस मामले में बारीकी से जांच हो। राजनाथ के काका मोहनलाल ने बताया कि राजनाथ अपनी ससुराल लक्ष्मणखेड़ी (इंदौर रोड) मुंडन कार्यक्रम में शामिल होने गया था। दोनों पति-पत्नी और 2 साल का बालक बाइक से गए थे। राजनाथ का ससुराल पक्ष के लोगों से विवाद हो गया और उसकी पत्नी-बच्चे के साथ वहीं रुक गई। रात करीब 2 बजे उसने अपनी मां सांगाबाई को फोन किया और घबराई आवाज में कहा - मुझे बचा लो। कुछ समय बाद परिवार के सदस्य बाइक से उसकी तलाश में निकले तो उसकी लाश पंथपिपलई के पास पत्थरों के ढेर के पास पड़ी मिली। उसके मुंह से खून आ रहा था चोट भी मुंह पर ही लगी थी। परिवार के सदस्यों का कहना है कि राजनाथ अपने पीछे 8 माह की गर्भवती पत्नी और 2 साल का बेटा छोड़ गया है।

चित्रगुप्त मंदिर में गूंजे जयकारे: कायस्थम ने मनाया आराध्य देव का प्राकट्योत्सव

भोपाल ■

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के प्रोफेसर कॉलोनी स्थित चित्रगुप्त मंदिर में 'कायस्थम मध्यप्रदेश' द्वारा कायस्थ कुल के आराध्य देव, न्याय और लेखनी के देवता भगवान चित्रगुप्त का प्राकट्योत्सव अपार श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर भोपाल के कोने-कोने से आए चित्रांश बंधुओं ने सामूहिक पूजन, हवन और महाआरती में भाग लेकर सुख-समृद्धि की कामना की।

भक्तिमय वातावरण के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में एक विशेष संकल्प लिया गया। पूजन और हवन के पश्चात सभी चित्रांश बंधुओं ने भगवान चित्रगुप्त से प्रार्थना की कि वे संपूर्ण विश्व को वर्तमान में जारी युद्धों की विभीषिका से बचाएं और मानवता के कल्याण के लिए शांति स्थापित करें। प्राकट्योत्सव में दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक भगवान दास सबनानी और क्षेत्रीय पार्षद प्रवीण सक्सेना विशेष रूप से शामिल हुए।

मध्य प्रदेश के मुरैना में पार्षद ने सीएमओ की शर्ट में ठूंस दी चूड़ियां, दफ्तर में मचा बवाल

मुरैना ■

मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के अंबाह नगर पालिका परिषद कार्यालय में बड़ा बवाल देखने को मिला। यहां गुरुवार को पार्षद और सीएमओ के बीच विवाद हो गया। विवाद की वजह नपा क्षेत्र में जगह-जगह फैला कचरा और गंदगी थी। मामले का वीडियो सोशल भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में पार्षद सीएमओ को चूड़ियां देने का प्रयास कर रहा है।

पार्षद ने सीएमओ के शर्ट में ठूंसी चूड़ियां

दरअसल, वार्ड 6 के निर्दलीय पार्षद विक्रम सिंह तोमर अपने वार्ड की समस्याओं को लेकर पिछले दो दिनों से सीएमओ से मिलने का प्रयास कर रहे थे। सीएमओ के अवकाश पर होने के कारण मुलाकात नहीं हो सकी। गुरुवार को सीएमओ के कार्यालय पहुंचने पर पार्षद ने विरोध स्वरूप चौंकाने वाला कदम उठाया। वह अपने समर्थकों के साथ सीधे सीएमओ कार्यालय पहुंच गए। यहां निर्दलीय पार्षद विक्रम सिंह तोमर ने सीएमओ शारिब कौसर को चूड़ियां देने का प्रयास किया। उनके मना करने पर उनकी शर्ट में चूड़ियां डाल दी। घटना के बाद नगर पालिका कार्यालय में कुछ समय के लिए तनाव भरा माहौल रहा। पार्षद का आरोप है कि वार्ड में कचरा, नाले-नालियों की सफाई और विकास कार्यों की अनदेखी की जा रही है।

सीएमओ ने की शिकायत

सीएमओ शारिब कौसर ने बताया कि वे पारिवारिक कारणों से अवकाश पर थे। उन्होंने कहा कि पार्षद द्वारा उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया है और इस संबंध में थाने में आवेदन दिया जाएगा। सीएमओ शारिब ने मामले को लेकर कहा कि मैं दो दिन की छुट्टी पर था, क्योंकि मेरी बेटी की तबीयत खराब थी। इस दौरान पार्षद मिलने आए थे.लेकिन मुलाकात नहीं हो सकी। आज कार्यालय में उन्होंने अभद्र व्यवहार किया है, जिसकी शिकायत थाने में की जाएगी। वहीं, पार्षद विक्रम सिंह तोमर नगर पालिका में कई बार शिकायत और परिषद बैठक में मुद्दा उठाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही।

पैरासिटामोल सिरप पर स्वास्थ्य विभाग ने लगाई रोक, सरकारी अस्पतालों में हुई थी सप्लाई

जबलपुर ■

मध्यप्रदेश में दवा की गुणवत्ता एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में है। जबलपुर में पैरासिटामोल सिरप के सैंपल जांच में फेल पाए गए हैं। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने तुरंत एक्शन लेते हुए इसके एक बैच पर पूर्ण रूप से रोक लगा दी है।

दरअसल, यहां सरकारी अस्पतालों में बैच नंबर 41507 नंबर की पैरासिटामोल दवा की सप्लाई की गई थी। लेकिन सैंपल फेल होने के बाद इस बैच के सिरप के यूज पर तुरंत रोक लगा दी गई है। हालांकि अब सवाल ये है कि स्वास्थ्य विभाग इतनी देर में क्यों जागा?

सीएमएचओ ने जारी किए निर्देश

जबलपुर के इस मामले की जानकारी मिलते ही जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने सभी सरकारी अस्पतालों जहां पैरासिटामोल का यह बैच पहुंचा को निर्देश जारी करते हुए इस बैच के उपयोग पर तुरंत रोक लगाने और उपलब्ध स्टॉक को अलग रखने को कहा है। साथ ही संबंधित दवा की जांच रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। हालांकि अब तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि आखिर सिरप का उपयोग किया गया है या नहीं?

पहले भी सामने आ चुके हैं ये मामले- पैरासिटामोल सिरप के जांच में फेल होने का यह पहला मामला नहीं है कि मध्य प्रदेश में इसके सैंपल फेल हुए हैं। इससे पहले भी प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में इस सिरप के साथ ही अन्य सिरप और अन्य दवाओं के सैंपल गुणवत्ता जांच में फेल पाए जा चुके हैं। बार-बार सामने आने वाले इन मामलों से यह संकेत मिलता है कि दवा सप्लाई और गुणवत्ता नियंत्रण की प्रक्रिया में कहीं न कहीं कोई चूक जरूर हो रही है।

सप्लाई से पहले नहीं होती गुणवत्ता की जांच!

सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब दवाएं सरकारी अस्पतालों में पहुंचने से पहले दवा गुणवत्ता जांच की प्रक्रिया से गुजरती हैं, तो फिर फेल सैंपल बाजार या अस्पताल तक कैसे पहुंच जाते हैं। क्या सप्लाई से पहले जांच की प्रक्रिया केवल कागजी बनकर रह गई है या फिर जांच प्रक्रिया में कोई खामी है, जो ये सप्लाई से पहले सामने नहीं आ पा रहा कि दवा की गुणवत्ता कैसी है? हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस तरह की लापरवाही तो सीधे तौर पर मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ है। खासकर सिरप जैसी दवाएं जो अक्सर बच्चों और बुजुर्गों के इलाज में सबसे ज्यादा काम आती हैं। ऐसे में ये दवाएं गंभीर परिणाम दे सकती हैं। छिंदवाड़ा में जहरीला कफ सिरप पीने से बच्चों की किडनी फेल होने और मौत के मामलों को लोग अब तक नहीं भूले हैं। ऐसे में यह मामला स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही उजागर करता है। पैरासिटामोल दवा बुखार और हाथ पैरों में होने वाले दर्द निवारण के काम आती है। एमपी में कई बार इसके सैंपल फेल हो चुके हैं। ये दवा बच्चों और बुजुर्गों को भी दी जाती है।

कर्तव्य पथ पर थमीं सांसें: लेडी सिंघम प्रतिभा त्रिपाठी की पुण्यतिथि पर उमड़ा जनसैलाब, साहस और सेवा को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। मध्यप्रदेश की जांबाज एवं कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी, लेडी सिंघम के नाम से विख्यात शहीद दिवंगत श्रीमती प्रतिभा त्रिपाठी पंडित की पुण्यतिथि पर विप्र नारी सेवा संस्थान की ओर से भावपूर्ण श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रीमती निशा जी शर्मा ऋतु शर्मा के नेतृत्व में महिला मंडल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकताओं प्रदेश प्रवक्ता निशा शर्मा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी सुप्रिया वेध संभाग संयोजिका मनीषा जोशी कार्यकारणी तृप्ति खले कल्पना जोशी साहित्य प्रभारी मंजुला शर्मा एवं अन्य महिलाओं ने सहभागिता कर उन्हें नमन किया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने प्रतिभा त्रिपाठी के जीवन को साहस, संघर्ष और समर्पण की जीवंत गाथा बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने अदम्य हौसले और दृढ़ इच्छाशक्ति से न केवल कठिनतम परिस्थितियों को परास्त किया, बल्कि महिला सशक्तिकरण की एक प्रेरक मिसाल भी

स्थापित की। निवाड़ी जिले के गुवावली ग्राम से निकलकर पुलिस सेवा के उच्च पद तक पहुँची प्रतिभा ने हर चुनौती को अवसर में बदला और समाज में सुरक्षा एवं विश्वास का वातावरण निर्मित किया। ग्वालियर-चंबल और बुंदेलखंड जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में पदस्थ रहते हुए उन्होंने अपराध के विरुद्ध सख्त कार्रवाई कर आमजन में निर्भयता का संचार किया। उनकी निर्भीक कार्यशैली के कारण ही उन्हें लेडी सिंघम के रूप में पहचान मिली। पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनके विशेष लगाव का उल्लेख करते हुए वक्ताओं ने कहा कि एक परिवारझएक पौधा अभियान के माध्यम से उन्होंने जनसहभागिता से व्यापक वृक्षारोपण का जनांदोलन खड़ा किया, जो आज भी प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है। उनके जीवन के संघर्षपूर्ण अध्याय को स्मरण करते हुए वक्ताओं ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान, गर्भावस्था जैसी जटिल अवस्था में संक्रमण, पारिवारिक विपत्तियों और गंभीर स्वास्थ्य संकटों के बीच भी उन्होंने अदम्य साहस का परिचय दिया। पोस्ट-कोविड जटिलताओं, पल्मोनरी आर्टेरियल हाइपरटेंशन जैसी गंभीर बीमारी, दृष्टि एवं अन्य शारीरिक समस्याओं से जूझते हुए भी उन्होंने हार नहीं मानी और अपने नवजात शिशु के साथ जीवन की नई शुरूआत की। स्वास्थ्य चुनौतियों पर विजय प्राप्त कर अगस्त 2023 में उन्होंने पुनः पुलिस सेवा में वापसी की और पुलिस मुख्यालय भोपाल में सहायक पुलिस महानिरीक्षक (महिला सुरक्षा शाखा) के पद पर पदस्थ होकर पूर्ण समर्पण के साथ दायित्वों का निर्वहन किया। विधानसभा एवं लोकसभा चुनावों के दौरान उन्हें मास्टर ट्रेनर एवं नोडल अधिकारी के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं, जिन्हें उन्होंने अत्यंत दक्षता से निभाया। साथ ही, वीवीआईपी ड्यूटी जैसे संवेदनशील दायित्वों का निर्वहन भी उन्होंने पूरी निष्ठा के साथ किया। वक्ताओं ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान कर्तव्य पालन हेतु कार्यालय जाते समय मार्ग में अचानक हृदयगति रुकने से उनका निधन हो गया। कर्तव्य पथ पर अग्रसर रहते हुए दिया गया यह बलिदान उन्हें शहीद की श्रेणी में प्रतिष्ठित करता है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि प्रतिभा त्रिपाठी का जीवन केवल एक व्यक्ति की कहानी नहीं, बल्कि हर उस महिला के साहस और आत्मबल का प्रतीक है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्य से पीछे नहीं हटती।

हम रहें जब तक, हमारा हौसला ज़िंदा रहे — इसी संदेश के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

तीन नवीन ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारियों की पदस्थापना

छिंदवाड़ा. उद्यानिकी विभाग के अंतर्गत तीन नवीन ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारियों की पदस्थापना की गई है। नियुक्तियों के तहत श्याम सिंह तुरीया को विकासखंड हर्रई, ज्योति अहिरवार को विकासखंड मोहखेड़ एवं शिव बिसेन को विकासखंड जुन्नारदेव में पदस्थ किया गया है। नवीन पदस्थ अधिकारियों का स्वागत जिला उप संचालक उद्यान कार्यालय में आयोजित मासिक बैठक के दौरान किया गया। इस अवसर पर उप संचालक उद्यान एमएल उइके द्वारा अधिकारियों को विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करने एवं क्षेत्रीय स्तर पर उद्यानिकी गतिविधियों के विस्तार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

पड़ोसी की खबर सोशल मीडिया से: बदलती सामाजिक वास्तविकता

सुनीता कुमारी
लेखिका (पूर्णियां बिहार)
ग्लोबल हेराल्ड

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया ने हमारे जीवन के लगभग हर पहलू को प्रभावित किया है। यह केवल सूचना और मनोरंजन का साधन ही नहीं रहा, बल्कि अब यह हमारे सामाजिक संबंधों को भी नए तरीके से परिभाषित कर रहा है। एक समय था जब पड़ोसियों की खबर हमें सीधे उनसे मिलकर, बातचीत करके या आसपास की गतिविधियों को देखकर मिलती थी। लेकिन अब स्थिति बदल गई है—आज हम अपने पड़ोसी के बारे में भी सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक जानने लगे हैं।

पहले पड़ोसियों के बीच आत्मीयता, सहयोग और संवाद का रिश्ता होता था। किसी के घर कोई कार्यक्रम हो, खुशी का अवसर हो या दुख की घड़ी—सब एक-दूसरे के साथ खड़े रहते थे। लेकिन अब शहरीकरण, व्यस्त जीवनशैली और डिजिटल उपकरणों के बढ़ते उपयोग ने इन संबंधों को कमजोर कर दिया है। अब कई बार ऐसा होता है कि हम अपने पड़ोसी के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से जानते हैं, जबकि आमने-सामने बातचीत बहुत कम हो गई है।

सोशल मीडिया की भूमिका: सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप आदि ने लोगों को अपनी जिंदगी के हर छोटे-बड़े पल को साझा करने की आदत डाल दी है। जन्मदिन, शादी, नई नौकरी, यात्रा, या किसी उपलब्धि—हर चीज की जानकारी लोग पोस्ट के माध्यम से साझा करते हैं। ऐसे में पड़ोसी, जो भौगोलिक रूप से हमारे सबसे करीब होते हैं, वे भी इन पोस्ट्स के जरिए ही जानकारी प्राप्त करते हैं।

उदाहरण के लिए, मान लीजिए किसी व्यक्ति के पड़ोस में रहने वाले शर्मा जी के बेटे को विदेश में नौकरी मिल जाती है। पहले इस तरह की खबर सीधे बातचीत या मिलने-जुलने से मिलती थी, लेकिन अब संभव है कि पड़ोसी को यह जानकारी फेसबुक पोस्ट देखकर मिले। इसी तरह, किसी के घर शादी हो रही हो और पड़ोसी को निमंत्रण देने की जगह केवल सोशल मीडिया पर फोटो और वीडियो डाल दिए जाएं—तो यह एक नई सामाजिक प्रवृत्ति को दर्शाता है।

व्यक्तिगत संबंधों पर प्रभाव: सोशल मीडिया के इस बढ़ते प्रभाव ने व्यक्तिगत संबंधों पर भी असर डाला है। पड़ोसियों के बीच जो आत्मीयता और अपनापन हुआ करता था, वह धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। अब लोग एक-दूसरे के घर जाने की बजाय मोबाइल स्क्रीन पर ही जुड़े रहना अधिक पसंद करते हैं। इससे रिश्तों में दूरी और औपचारिकता बढ़ती जा रही है।

एक उदाहरण के रूप में, किसी कॉलोनी में रहने वाली

सीमा जी को अपने पड़ोस में रहने वाली रेखा जी की बीमारी के बारे में तब पता चलता है, जब उनके बेटे ने इंस्टाग्राम पर अस्पताल की तस्वीर पोस्ट की। यह स्थिति दिखाती है कि वास्तविक जीवन में संवाद की कमी कितनी बढ़ गई है। अगर पड़ोसी के साथ नियमित बातचीत होती, तो शायद यह जानकारी पहले ही मिल जाती और सहायता भी समय पर दी जा सकती थी।

सकारात्मक पहलू: हालांकि, यह कहना पूरी तरह उचित नहीं होगा कि सोशल मीडिया का प्रभाव केवल नकारात्मक है। इसके कुछ सकारात्मक पहलू भी हैं। कई बार लोग व्यस्तता के कारण एक-दूसरे से मिल नहीं पाते, ऐसे में सोशल मीडिया उन्हें जुड़े रहने का एक माध्यम देता है। पड़ोस के व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सुरक्षा, साफ-सफाई, या किसी आपात स्थिति में सूचना तेजी से फैल सकती है। उदाहरण के लिए, किसी मोहल्ले में चोरी की घटना होती है, तो व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए तुरंत सभी को सतर्क किया जा सकता है। इसी तरह, किसी सामाजिक कार्यक्रम जैसे स्वच्छता अभियान या धार्मिक आयोजन की जानकारी भी सोशल मीडिया से आसानी से साझा की जा सकती है।

नकारात्मक प्रभाव और चुनौतियाँ: सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग के कारण लोगों में तुलना की भावना भी बढ़ने लगी है। पड़ोसी की सफलता, उनकी जीवनशैली या उनकी उपलब्धियों को देखकर लोग खुद को कमतर महसूस करने लगते हैं। इससे ईर्ष्या और प्रतिस्पर्धा की भावना भी जन्म ले सकती है, जो सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाती है। इसके अलावा, कई बार सोशल मीडिया पर साझा की गई जानकारी अधूरी या भ्रामक भी हो सकती है। बिना सत्यापन के लोग किसी खबर को सच मान लेते हैं, जिससे गलतफहमियां पैदा हो सकती हैं। उदाहरण के लिए, किसी पड़ोसी के बारे में अफवाह फैल जाए और वह सोशल मीडिया पर वायरल हो जाए, तो उसकी प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान हो सकता है।

संतुलन की आवश्यकता: इस बदलते समय में यह जरूरी है कि हम सोशल मीडिया और वास्तविक जीवन के बीच संतुलन बनाए रखें। पड़ोसियों के साथ सीधे संवाद, आपसी सहयोग और संबंधों को मजबूत बनाए रखना सामाजिक जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। सोशल मीडिया को केवल एक सहायक माध्यम के रूप में उपयोग करना चाहिए, न कि उसे पूरी तरह से वास्तविक संबंधों का विकल्प बना देना चाहिए। हमें यह समझना होगा कि तकनीक का उद्देश्य जीवन को आसान बनाना है, न कि रिश्तों को कमजोर करना। यदि हम अपने पड़ोसियों के साथ समय-समय पर मिलते रहें, उनके सुख-दुख में सहभागी बनें और साथ ही सोशल मीडिया का सही उपयोग करें, तो हम एक स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं।

निष्कर्ष- अंततः यह कहा जा सकता है कि सोशल मीडिया ने हमारे पड़ोस और सामाजिक संबंधों को एक नई दिशा दी है। यह हमारे लिए सुविधा और सूचना का एक महत्वपूर्ण साधन है, लेकिन इसके साथ ही यह जरूरी है कि हम मानवीय संबंधों की मूल भावना को न भूलें। पड़ोसी केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं होते, बल्कि वे हमारे सामाजिक जीवन का अभिन्न हिस्सा होते हैं। इसलिए, हमें प्रयास करना चाहिए कि हम डिजिटल दुनिया के साथ-साथ वास्तविक दुनिया में भी अपने संबंधों को मजबूत बनाए रखें।

इस प्रकार, पड़ोसी की खबर सोशल मीडिया से एक आधुनिक यथार्थ को दर्शाती है, जो हमें सोचने पर मजबूर करता है कि हम तकनीक के साथ अपने सामाजिक मूल्यों को किस प्रकार संतुलित कर सकते हैं।

(नोट: इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

मिलर्स नहीं कर रहे धान की मिलिंग, गोदाम हैं फुल, एक लाख 8 हजार मीट्रिक टन गेहूं के लिए नहीं वेयरहाउस

कटनी ■

जिले में 15 अप्रेल से समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी जारी है। केंद्रों में बंपर आवक शुरू हो गई है। वहीं दूसरी ओर गेहूं के भंडारण को लेकर जल्द ही गंभीर समस्या निर्मित होने वाली है, इसकी मुख्य समस्या समय पर समर्थन मूल्य में किसानों से खरीदी गई धाना की मिलिंग न हो पाना है। धान की मिलिंग न होने से गोदाम खाली नहीं हो पाए और अब गेहूं को सुरक्षित करने में खाद्य विभाग, विपणन विभाग व प्रशासन के समक्ष गंभीर समस्या होगी। बता दें कि जिले में 4 लाख 95 हजार मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। अभी तक सिर्फ 50 हजार मीट्रिक टन धान की मिलिंग हो पाई है। 8 लाख क्विंटल धान की मिलिंग के लिए अनुबंध हो गए हैं। जिले में 65 मिलर्स ही अनुबंधित हैं। मिलर्स ने अपग्रेडेशन राशि जारी करने, ट्रायल मिलिंग के आधार पर वास्तविक मिलिंग करवाने, बारदाना उपयोगिता व्यय के

54 हजार से अधिक किसानों ने कराया है पंजीयन

सरकार को समर्थन मूल्य में गेहूं सहित चना, मसूर, सरसों बेचने के लिए 54 हजार से अधिक किसानों ने पंजीयन कराया है। कुल 54 हजार 28 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है। बहोरीबंद में 11046, ढीमरखेड़ा में 9842, विजयराघवगढ़ मं 6871, रीठी में 5659, स्लीमनाबाद में 5386, बड़वारा में 5223, बरही में 4210, कटनी नगर में 2998 कटनी तहसील में 27 किसानों ने गेहूं बेचने के लिए पंजीयन कराया है।

राज्यांश का लंबित भुगतान और परिवहन व्यय में संशोधन जैसी मांगों पर अड़े हुए हैं, लेकिन कोई हल नहीं निकला।

यह है वेयर हाउसों की स्थिति- बता दें कि जिले में किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदकर सुरक्षित भंडारित कराने के लिए बड़ी चुनौती है। एक लाख 40 हजार मीट्रिक टन गेहूं भंडारित कराने के लिए गोदाम की आवश्यकता है, लेकिन मध्यप्रदेश वेयर हाउस प्रबंधन के पास सिर्फ 32 हजार मीट्रिक टन की जगह ही उपलब्ध कराई गई है।

करना पड़ेगा अंतरजिला परिवहन- यदि मिलर्स द्वारा समय पर धाना का उठाव कर मिलिंग नहीं की जाती तो फिर समस्या जिले में गंभीर होगी। गेहूं रखने के लिए प्रशासन के पास जगह ही नहीं है। ऐसे में प्रशासन के पास विकल्प के तौर पर अंतरजिला परिवहन की प्रक्रिया अपनानी होगी। इस प्रक्रिया में परिवहन में करोड़ों रुपए खर्च करने पड़ेंगी।

कई जिलों में जाता है कटनी से चावल

कटनी का चावल कई जिलों में जाता है। जानकारी के अनुसार इंदौर, भोपाल, शिवपुरी, डबरा, भिंड, मुरैना, धार, टीकमगढ़, निमाड़ी, छतरपुर, रायसेन, पन्ना, दमोह, सागर, सिवनी, अलीराजपुर सहित अन्य जिलों में डिमांड अनुसार चावल की सप्लाई रैक के माध्यम से की जाती है। ऐसे में अन्य जिलों की भी सप्लाई प्रभावित होगी।

मिलर्स की ये हैं शर्तें

राइल मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक आसरानी ने बताया कि मिलर्स ने अपनी बात खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और अपर मुख्य सचिव (खाद्य) से मुलाकात कर बताई है। उन्होंने कहा कि पल्लेदारी के नाम पर मात्र 4.76 रुपये प्रति क्विंटल भुगतान किया जा रहा है, जबकि वास्तविक खर्च 24 से 25 रुपए प्रति क्विंटल तक आता है। परिवहन भाड़े को लेकर भी असंतोष है। 15 किलोमीटर का परिवहन खर्च लगभग 1800 रुपये पड़ता है, लेकिन भुगतान केवल 8 किलोमीटर के हिसाब से किया जा रहा है। ऊपर से ट्रकों की दो-दो दिन की हॉल्टिंग से अतिरिक्त बोझ बढ़ रहा है। सबसे गंभीर मुद्दा चावल रिकवरी का है। मिलर्स के अनुसार एक क्विंटल धान से औसतन 50 किलो चावल निकल रहा है, जबकि सरकार 67 किलो चावल जमा कराने की शर्त रख रही है।

घायल बनकर एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचा आरोपी, कुछ ही देर में पार्किंग से स्कूटी लेकर फुर्र हुआ

शहडोल ■

जिले के धनपुरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक शातिर युवक ने खुद को घायल मरीज बताकर 108 एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचने के बाद पार्किंग में खड़ी एएनएम की स्कूटी चुरा ली। पूरी वारदात अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच तेज कर दी है।

जानकारी के अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धनपुरी में पदस्थ एएनएम संगीता सिंह ने अपनी होंडा एक्टिवा अस्पताल की पार्किंग में खड़ी की थी। कुछ समय बाद स्कूटी गायब होने पर उन्होंने संदेह के आधार पर सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें चौंकाने वाला घटनाक्रम सामने आया। फुटेज में दिखाई दिया कि 108 एंबुलेंस अस्पताल पहुंचती

है, जिसमें चालक सहित तीन लोग सवार थे। इनमें से एक व्यक्ति, जिसकी पहचान खामिडोल निवासी के रूप में हुई, लंगड़ाते हुए एंबुलेंस से उतरता है और मेडिकल स्टाफ से इलाज व एमएलसी की बात करता है, जिससे वह घायल मरीज प्रतीत होता है। लेकिन कुछ ही देर बाद वही व्यक्ति सामान्य तरीके से चलता हुआ बाहर निकला और सीधे पार्किंग में पहुंचकर एएनएम की स्कूटी मास्टर की से स्टार्ट कर फरार हो गया। इस दौरान एंबुलेंस चालक और अन्य साथी भी मौके से निकल गए।

राजनीतिक नियुक्तियां: राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम का अध्यक्ष बघेल को बनाया

भोपाल ■

मध्य प्रदेश में लंबे समय से लंबित राजनीतिक नियुक्तियों की प्रक्रिया अब तेजी पकड़ती नजर आ रही है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग में नियुक्तियों के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम और मध्य प्रदेश महाराणा प्रताप बोर्ड में भी नई नियुक्तियों को मंजूरी दे दी। सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार, केशव सिंह बघेल को मध्य प्रदेश राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं बताया जा रहा है कि केशव भदौरिया को मध्य प्रदेश महाराणा

केशव सिंह बघेल

केशव भदौरिया

प्रताप बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया है। इसी तरह महेंद्र सिंह यादव को अपेक्स बैंक का अध्यक्ष बनाया गया है। हालांकि इनका अभी आदेश जारी नहीं हुए हैं।

इससे पहले गुरुवार को सरकार ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग में नियुक्तियों की घोषणा की थी। कैलाश जाटव को मध्य प्रदेश अनुसूचित जाति आयोग का अध्यक्ष बनाया गया, जबकि बरेलाल अहिरवार और रामलाल मालवीय को सदस्य नियुक्त किया गया। इसी तरह, पूर्व विधायक रामलाल रौतेल को अनुसूचित जनजाति आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। आयोग में भगत नेताम और मंगल सिंह धुर्वे को सदस्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

महिला आयोग और बाल संरक्षण आयोग पर बना सस्पेंस

जानकारी के मुताबिक, सरकार ने मध्य प्रदेश राज्य महिला आयोग और राज्य बाल संरक्षण आयोग के लिए भी नाम लगभग तय कर लिए थे, लेकिन शुक्रवार देर शाम तक इन नियुक्तियों के आदेश जारी नहीं हो सके। ऐसे में राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि इन दोनों आयोगों को लेकर अंतिम स्तर पर सहमति नहीं बन पाई है। पहले रेखा यादव को राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष और निवेदिता शर्मा को राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चा थी। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि सरकार इन्हीं नामों पर मुहर लगाएगी या अंतिम समय में कोई बदलाव किया जाएगा।

टीबी उन्मूलन अभियान को लेकर दिए निर्देश

छिंदवाड़ा. कलेक्टर हरेंद्र नारायन ने राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में संचालित 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान को प्रभावी बनाने के लिए सभी विभाग प्रमुखों को आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा चिन्हित जिले के 387 हाई रिस्क ग्राम व वार्ड में टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 24 मार्च 2026 से 2 जुलाई 2026 तक नि-क्षय शिविरों का आयोजन सभी विकासखण्डों में किया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक संभावित मरीजों की पहचान एवं समय पर उपचार सुनिश्चित किया जाना लक्ष्य है।

न काजू, न किशमिश डोसे में मिला कॉकरोच, रेस्टोरेंट में मचा हंगामा

रायसेन ■

शहर के सागर रोड स्थित एक चर्चित रेस्टोरेंट में खाद्य गुणवत्ता को लेकर गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। गुरुवार को यहां पहुंचे अधिवक्ताओं के एक समूह को परोसे गए डोसे में मरा हुआ कॉकरोच मिलने से हड़कंप मच गया। घटना के बाद वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे मामला चर्चा में आ गया।

जानकारी के अनुसार अधिवक्ता अरुण मिरोठा अपने साथियों के साथ एक रेस्टोरेंट में नाश्ता करने पहुंचे थे। उन्होंने डोसे का ऑर्डर दिया, जिसे कुछ ही देर में परोस दिया गया। आरोप है कि आधा डोसा खाने के बाद उसमें मरा हुआ कॉकरोच दिखाई दिया,

जिसे देखकर सभी नाराज हो गए। घटना के बाद अधिवक्ताओं ने मौके पर ही वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दिया। इसके बाद रेस्टोरेंट प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए नोटिस जारी किया गया और संबंधित अधिकारियों से कार्रवाई की मांग की गई। अधिवक्ता अरुण मिरोठा का कहना है कि यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि ग्राहकों के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ है। उनका आरोप है कि रेस्टोरेंट में साफ-सफाई और गुणवत्ता के मानकों का पालन नहीं किया जा रहा। इस घटना के बाद शहर में खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों ने रेस्टोरेंट और होटलों में नियमित निरीक्षण की मांग की है, ताकि उपभोक्ताओं को सुरक्षित और स्वच्छ भोजन मिल सके। फिलहाल प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन मामले के तूल पकड़ने के बाद जांच और कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार खाद्य पदार्थों में इस तरह की गंदगी से गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में जरूरी है कि खाद्य प्रतिष्ठान स्वच्छता और गुणवत्ता के मानकों का सख्ती से पालन करें।

तपती धूप में बेजुबानों का सहारा बना ह्यसर्वधर्म सद्भावना मंच

भोपाल ■

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में अप्रैल की तपती दोपहर और आसमान से बरसती आग ने न केवल इंसानों को बेहाल कर दिया है, बल्कि बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए भी अस्तित्व का संकट खड़ा कर दिया है।

भीषण गर्मी के इस दौर में 'मध्यप्रदेश सर्वधर्म सद्भावना मंच' ने संवेदनशीलता की मिसाल पेश करते हुए बेजुबान परिंदों और पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था की मुहिम शुरू की है। मंच के सचिव हाजी मोहम्मद इमरान हारून के नेतृत्व में टीम के सदस्य शहर के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों, पार्कों और सड़कों के किनारे मिट्टी के सकोरे (पात्र) बांधते और जल कुंड रखते

नजर आ रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्यास से किसी भी पक्षी या जानवर की जान न जाए। मुहिम के बारे में जानकारी देते हुए हाजी इमरान हारून ने बताया कि जैसे-जैसे पारा चढ़ रहा है, जल स्रोत सूखते जा रहे हैं। ऐसे में इंसानों के पास तो विकल्प हैं, लेकिन पशु-पक्षी पूरी तरह हमारे ऊपर निर्भर हैं। उन्होंने कहा, यह मंच हर वर्ष गर्मियों में यह अभियान चलाता है। हमारा उद्देश्य केवल पानी पिलाना नहीं, बल्कि आम नागरिकों को जागरूक करना भी है।

प्रदेश के दुग्ध संग्रहण केंद्रों पर लगेंगी स्मार्ट मशीनें, अब दूध की गुणवत्ता और वजन की होगी डिजिटल जांच

भोपाल ■

मध्य प्रदेश में दुग्ध उत्पादकों और उपभोक्ताओं दोनों के लिए राहत भरी पहल होने जा रही है। प्रदेश के करीब 7 हजार दुग्ध संग्रहण केंद्रों पर जल्द ही अत्याधुनिक ऑटोमेटिक मिल्क कलेक्शन मशीनें स्थापित की जाएंगी। इन मशीनों के जरिए दूध के वजन और गुणवत्ता की तुरंत जांच हो सकेगी, जिससे मिलावट और गड़बड़ी पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। नई व्यवस्था लागू होने के बाद किसानों को उनके दूध का सही मूल्य मिलेगा, वहीं उपभोक्ताओं तक बेहतर गुणवत्ता वाला दूध पहुंचाने का दावा किया जा रहा है। अभी कई स्थानों पर दूध की जांच और वजन की प्रक्रिया मैन्युअल होने के कारण

विवाद और शिकायतें सामने आती रही हैं।

ऐसे करेगी मशीन काम

नई मशीनों में दूध का वजन करने और उसकी गुणवत्ता जांचने की सुविधा एक साथ होगी। दूध संग्रहण केंद्र पर किसान जैसे ही दूध लेकर पहुंचेगा, मशीन तुरंत वजन दर्ज करेगी। हालांकि फैट समेत अन्य जांच पहले की तरह होगी। इस पूरी प्रक्रिया का डेटा ऑनलाइन दर्ज होगा और किसान मोबाइल एप के जरिए अपने दूध की जानकारी देख सकेगा। संग्रहण केंद्रों के संचालक और दुग्ध संघ के अधिकारी भी रियल टाइम डेटा मॉनिटर कर सकेंगे।

अभी क्या दिक्कतें आती हैं

वर्तमान व्यवस्था में कई केंद्रों पर दूध की गुणवत्ता जांच मैन्युअल तरीके से होती है। ऐसे में वजन और फैट की गणना को लेकर कई बार किसानों की शिकायतें सामने आती हैं। कुछ स्थानों पर गलत एंट्री और रिकॉर्ड में गड़बड़ी की शिकायतें भी मिलती रही हैं। नई मशीनों के आने से पारदर्शिता बढ़ेगी और भुगतान प्रक्रिया भी अधिक भरोसेमंद होगी। वहीं, दुग्ध उत्पादकों का कहना है कि कई बार भैंस के दूध को गाय का दूध बताकर कम कीमत देने जैसी शिकायतें सामने आती हैं। नई तकनीक लागू होने से इस तरह की समस्याओं पर अंकुश लगेगा और किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य मिल सकेगा। मध्य प्रदेश सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के एसीएस उमाकांत उमराव ने बताया कि दो से तीन महीने में यह मशीनें केंद्रों पर लग जाएगी। इससे दुग्ध की गुणवत्ता सुधरने के साथ ही किसानों और पशुपालकों को लाभ होगा।

आई एम सॉरी, लव यू पापा- मम्मी, नीट की तैयारी कर रहे छात्र ने दी जान

राजगढ़ ■

मध्यप्रदेश में 10-12वीं के परीक्षा परिणाम के बीच एक दुखी कर देने वाली घटना सामने आई है। घटना राजगढ़ जिले के खिलचीपुर से है यहां नीट की तैयारी कर रहे छात्र ने शुक्रवार को आत्महत्या कर ली। छात्र ने घर के कमरे में ही फांसी लगाकर अपनी जान दी, आत्महत्या करने से पहले छात्र ने कमरे की एक दीवार पर आई एम सॉरी, लव यू पापा-मम्मी भी लिखा है। बेटे को फांसी के फंदे पर झूलता देख शिक्षक पिता और मां को गहरा सदमा लगा है और उनका रो-रोकर बुरा हाल है।

खिलचीपुर के गायत्री कॉलोनी में रहने वाले 20 वर्षीय शिवम शर्मा ने घर में कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शिवम मेडिकल

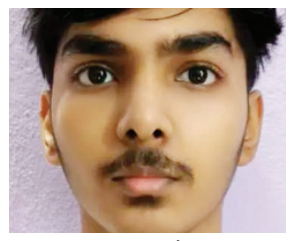

प्रवेश परीक्षा नीट की तैयारी कर रहा था। उसके पिता मनीष शर्मा शिक्षक हैं। परिवार में दादा-दादी, माता-पिता और एक बहन है। शिवम इकलौता बेटा था। सुबह करीब छह बजे पिता उसे जगाने कमरे में पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद था। आवाज देने पर जवाब नहीं आया। इस पर उन्होंने दरवाजा खोलकर देखा तो शिवम फंदे पर लटका मिला। परिजन तत्काल उसे नीचे उतारकर सिविल अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पहलगाम की पहली बरसी: अनसुलझे सवाल, अनबुझी पीड़ा...जन-तंत्र सब मौन ?

घटना का संक्षिप्त विवरण : 14 फरवरी 2019 के पुलवामा हमले में आरडीएक्स लाने वाला मुख्य हैंडलर (आतंकवादी) की गिरफ्तारी अभी तक नहीं हो पाई है। फलतः हमले की पीड़ा अभी पूरी तरह भरी भी नहीं थी कि,

राजीव खंडेलवाल
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम स्थित बायसरन घाटी में हुई आतंकी घटना ने देश की आत्मा को एक बार फिर झकझोर दिया। यह हमला केवल निर्दोष नागरिकों की हत्या नहीं, बल्कि भारत की अस्मिता, अखंडता और सांप्रदायिक सौहार्द पर सीधा प्रहार था। धर्म पूछकर 26 निदोर्षो जिसमें 24 हिंदू, एक ईसाई व एक स्थानीय मुसलमान शामिल थे, की नृशंस हत्या ने न केवल इंसानियत को शर्मसार किया, बल्कि यह भी स्पष्ट किया कि आतंकवाद का असली चेहरा कितना क्रूर और विभाजनकारी है।

सरकार की त्वरित प्रतिक्रिया

घटना के 24 घंटे के भीतर ही केंद्र सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कई कठोर कदम उठाए-

■ सिंधु जल संधि का निलंबन ■ अटारी-वाघा सीमा बंद ■ पाकिस्तानी नागरिकों के प्रवेश पर रोक ■ वीजा निरस्त कर 48 घंटे में देश छोड़ने का निर्देश ■ राजनयिक स्तर पर निष्कासन। ये कदम आग का जवाब आग से देने की नीति का संकेत थे, जिनसे यह संदेश गया कि भारत अब आतंकवाद के प्रति ढुलमुल रवैया नहीं अपनाएगा।

ऑपरेशन महादेव और सिंदूर : आंतरिक स्तर पर, आतंकियों की खोज के लिए ऑपरेशन महादेव और बाहरी मोर्चे पर प्रहार के लिए ऑपरेशन सिंदूर चलाए गए। जहाँ एक ओर घटना के लिए जिम्मेदार मास्टरमाइंड सुलेमान शाह (हाशिम मूसा) सहित तीन आतंकी मार डाले गए। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान और पीओके में 9 बड़े आतंकी ठिकानों को नष्ट कर पाकिस्तान को माकूल जवाब देकर सबक सिखाया गया। लेकिन यहाँ प्रश्न उठता है, क्या यह कार्रवाई नौ दिन चले अढ़ाई कोस जैसी तो नहीं रही? क्योंकि बाद के महीनों में भी घटी घटनाएँ इस बात का संकेत देती हैं कि आतंकवाद की जड़ें अभी पूरी तरह नहीं कटीं। इस प्रकार ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा आग लगाकर तमाशा देखने वाले पाकिस्तान को घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया गया। ऐसी स्थिति में जहां मजबूर पाकिस्तान से पीओके वापिस लेने के लिए मजबूत भारत दबाव डालकर फायदा उठा सकता था।

मोदी ट्रंप को जवाब नहीं दे पाए : भारत-पाकिस्तान के बीच अचानक युद्ध विराम की घोषणा अमेरिकन राष्ट्रपति, 5.33 बजे, इसके तुरंत बाद अमेरिका के विदेश मंत्री ने फिर पाकिस्तान के विदेश मंत्री 5.38 को की। वहीं भारत ने उक्त घोषणाओं के बाद 6.30 अर्थात लगभग 27 मिनट बाद घोषणा की। द्विपक्षीय युद्ध विराम के भारत के दावा के विपरीत अमेरिका के युद्ध विराम करवाने के दावे को ट्रम्प द्वारा 27 मिनट पूर्व की गई घोषणा से बल मिलता है? जहां ट्रम्प ने यह श्रेय लेने का एक बार नहीं लगभग 90 से अधिक बार दावा किया। वहीं भारत की

ओर से विदेश मंत्रालय ने इस दावे का खंडन किया। अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप यह कथनानुसार प्रधानमंत्री मोदी पर टैरिफ दबाव को हथकंडा बनाकर युद्ध विराम कराया। वहीं प्रधानमंत्री एक बार भी ट्रंप का नाम लेकर अमेरिका की मध्यस्थता का स्पष्ट खंडन नहीं कर पाए। जबकि प्रधानमंत्री मोदी की प्रेसिडेंट ट्रंप से इन 12 महीने में कम से कम तीन बार टेलीफोन पर चर्चा और चार बार सोशल मीडिया एक्स ट्वीट किया जिसमें हर बार उन्होंने ट्रंप को माय फ्रेंड ट्रंप विभिन्न कारणों से बधाइयां दी।

अनुत्तरित प्रश्न : 1.सुरक्षा चूक की जिम्मेदारी व जवाबदेही। इतने संवेदनशील पर्यटन स्थल पर आतंकी कैसे पहुँचे? क्या खुफिया तंत्र आँखों पर पट्टी बाँधकर बैठा था या संकेतों को नजरअंदाज किया गया? इस सुरक्षा असफलता पर सांप जाने के बाद लकीर पीटने के अलावा क्या कार्रवाई की गई?

2.लोकल नेटवर्क की भूमिका: एलओसी पार कर 100-120 किमी तक घुसपैठ और स्थानीय सहयोग। यह केवल बाहरी हमला नहीं, बल्कि अंदरूनी कमजोरी का भी संकेत है। क्या इस नेटवर्क की पूरी सच्चाई सामने आई?

3 ऑपरेशन सिंदूर की वास्तविक सफलता: क्या यह केवल तुरंत संतोष था या दीर्घकालिक समाधान?
ऑपरेशन सिंदूर चालू आहे, स्थगित या समाप्त। आप स्वतंत्र है अपने अनुसार निष्कर्ष निकालने के लिए ।

4 पीड़ित परिवारों का न्याय: मुआवजा मिला, लेकिन क्या नौकरी सहित अन्य वादे पूरे हुए?
जख्म पर मरहम पर जख्म भरना दोनों में फर्क होता है।
सांप निकल गया, लकीर पीटते रह गए?

विदेश नीति: अवसर या चूक ?: ऑपरेशन सिंदूर के बाद जो स्थिति बनी, उसमें भारत के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत दबाव बनाने का स्वर्षित अवसर था। लेकिन युद्धविराम की घोषणा और उसके श्रेय को लेकर उठे सवाल यह संकेत देते हैं कि आधी छोड़ पूरी को धावे, आधी रहे न पूरी पावे जैसी स्थिति बन गई। एक ओर भारत ने वैश्विक स्तर पर पाकिस्तान को आतंकवादी राष्ट्र घोषित करवाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाएं, जो असफल हो गये। 59 सदस्य सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधि मंडल 7 डेलिगेशन के रूप में 32 राष्ट्रों व यूरोपीय संघ में भेजा जाकर पाकिस्तान जनित प्रायोजित पहलगाम नृशंस आतंकी घटना के डोजियर प्रस्तुत किए गए। यद्यपि दुनिया भर से उक्त आतंकी घटना की कड़ी आलोचना की गई व श्रंद्धाजलि दी गई। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, यूरोपीय संघ, एससीओ, क्वाड़, एफएटीएफ, यूएससीआईआरएफ आदि संगठनों ने हमले की निंदा की। तथापि ओआईसी ने बयान जारी कर भारत के मुसलमानों के खिलाफ नफरत व हिंसा पर चिंता जतायी। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान इन 12 महीनों में अंतरराष्ट्रीय क्षितिज पर पाकिस्तान ने अपनी स्थिति में इतना बदलाव लाया कि ईरान-अमेरिका युद्ध से उत्पन्न विश्व के तनाव को शांत करने के लिए दोनों देशों के बीच युद्ध विराम करवाने में एक महत्वपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका अदा कर शांति दूत बनकर नोबेल पुरस्कार पाने का दावा तक कर डाला। जो भूमिका वास्तव में भारत को अदा करनी चाहिए थी, क्योंकि स्थिति उससे ज्यादा अनुकुल थी। लेकिन यहां हमारी विदेश नीति की असफलता ने भारत से उक्त भूमिका को छीन लिया, जिससे भारत व मोदी वास्तव में विश्व गुरु बन सकते थे।

क्या हमारी कूटनीति ढाक के तीन पात साबित हुई?

आवश्यकता है एक ऐसी रणनीति की जो केवल प्रतिक्रिया न हो, बल्कि पूर्व-नियोजित, दूरदर्शी और निर्णायक हो।

निष्कर्ष: - पहलगाम की पहली बरसी केवल श्रद्धांजलि का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन का भी समय है। प्रधानमंत्री द्वारा श्रद्धांजलि देना सम्मानजनक है, लेकिन सवालों से मुंह मोड़ना समाधान नहीं। लोकतंत्र में सरकार की जवाबदेही ही उसकी सबसे बड़ी ताकत होती है। यदि इन प्रश्नों के उत्तर नहीं मिले, तो यह मानने में संकोच नहीं होना चाहिए कि कहीं न कहीं जनतंत्र की आवाज धीमी पड़ गई है।

अंतिम बात ।

शहीदों की स्मृति केवल शब्दों से नहीं, बल्कि ठोस नीति, पारदर्शिता और जवाबदेही से जीवित रहती है। वरना इतिहास यही कहेगा,-हमने सीखा कुछ नहीं, और समय ने हमें सिखाना छोड़ दिया।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

सुरक्षित जीवन की दिशा में: मलेरिया मुक्त भविष्य का संकल्प...

प्रतिवर्ष 25 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस को मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य मलेरिया जैसी जानलेवा, घातक और व्यापक संक्रामक बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना, इसके रोकथाम के उपायों को प्रोत्साहित करना, समय पर जाँच एवं उपचार की व्यवस्था पर बल देना तथा वैश्विक स्तर पर इसके उन्मूलन के प्रयासों को गति देना है।

सुनील कुमार महला
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

मलेरिया को आज भी एक सामान्य रोग समझ लिया जाता है, किंतु यह आज भी विश्व की सबसे गंभीर जनस्वास्थ्य समस्याओं में से एक है और हर वर्ष लाखों लोगों की मृत्यु का कारण बनता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि यह वायरस से नहीं बल्कि प्लाज्मोडियम नामक परजीवी से फैलता है, जो संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से मनुष्य के शरीर में पहुँचता है।पाठक जानते होंगे कि हर मच्छर मलेरिया नहीं फैलाता।'मलेरिया' शब्द की यदि हम यहां पर बात करें तो यह शब्द इतालवी(इटली) भाषा के 'माला एरिया' से बना है, जिसका अर्थ 'खराब हवा' होता है, क्योंकि प्राचीन काल में लोग मानते थे कि यह बीमारी गंदी या दूषित हवा से फैलती है, जबकि बाद में विज्ञान ने सिद्ध किया कि इसका वास्तविक कारण मच्छर हैं। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि मलेरिया कोई नया नहीं बल्कि, यह एक अत्यंत प्राचीन रोग है, जिसका उल्लेख प्राचीन मिस्र, भारत तथा चीन के प्राचीन ग्रंथों में भी मिलता है। संक्रमित मच्छर के काटने पर प्लाज्मोडियम परजीवी रक्त में प्रवेश कर लाल रक्त कोशिकाओं में बहुगुणित होने लगता है, जिससे रक्तहीनता (एनीमिया), कमजोरी और अन्य जटिलताएँ उत्पन्न होती हैं। बहरहाल, इसके प्रमुख लक्षणों की यदि हम यहां पर बात करें तो इसके प्रमुख लक्षणों में क्रमशः तेज बुखार, ठंड लगना, कंपकंपी, सिरदर्द, मतली, उल्टी, अत्यधिक पसीना आना, चक्कर आना, साँस फूलना, तेज नाड़ी, थकान, कमजोरी तथा जुकाम जैसी अनुभूति शामिल हैं। गंभीर अवस्था में रोगी मूर्च्छा तक में जा सकता है और व्यक्ति की मृत्यु तक भी हो सकती है। कुछ लोगों में इसके लक्षण देर से प्रकट होते हैं, किंतु छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और कमजोर प्रतिरक्षा वाले व्यक्तियों में यह शीघ्र और अधिक घातक रूप ले सकता है। रोगी के ठीक होने के बाद भी यह रोग पुनः हो सकता है। वर्षा ऋतु में या वर्षा के बाद जब घरों, गलियों और आसपास के क्षेत्रों में पानी जमा हो जाता है, तब मच्छरों का प्रजनन तेजी से होता है और संक्रमण का प्रसार बढ़ जाता है। यही कारण है कि स्वच्छता और जलभराव रोकना मलेरिया नियंत्रण का अत्यंत महत्त्वपूर्ण उपाय माना जाता है। यह रोग मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया, अमेरिका तथा अन्य उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है, क्योंकि वहाँ की जलवायु मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल होती है। मलेरिया गरीब क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है, क्योंकि वहाँ स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं, सुरक्षित आवास और रोकथाम के संसाधनों की कमी होती है। बहरहाल, यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि वर्ष 2007 में विश्व स्वास्थ्य सभा के 60वें सत्र में इसे मनाने का निर्णय लिया गया था और पहला आधिकारिक विश्व मलेरिया दिवस 25 अप्रैल 2008 को मनाया गया था।हर साल इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और वर्ष 2025 की थीम-'मलेरिया का अंत हमसे होगाः पुनर्निवेश करें, नए तरीके सोचें और प्रयासों को फिर से प्रज्वलित करें।' रखी गई थी ,जिसका मतलब है कि मलेरिया का अंत हमारे अपने प्रयासों से ही संभव है। सरल शब्दों में कहें तो मलेरिया नियंत्रण और अनुसंधान में फिर से अधिक संसाधन, धन और ध्यान लगाना होगा,इस पर नियंत्रण के लिए हमें नए सिरे से सोचना होगा। हमें पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ नए, प्रभावी और आधुनिक उपाय अपनाने होंगे तथा मलेरिया उन्मूलन के वैश्विक प्रयासों में नई ऊर्जा और उत्साह पैदा करना होगा।

क्यों बीमा से दूर है आम भारतीय?

डॉ. सत्यवान सौरभ | लेखक

ग्लोबल हेराल्ड

भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। ऊंची विकास दर, डिजिटल क्रांति, बढ़ती आय और वैश्विक मंच पर मजबूत होती स्थिति–ये सब संकेत देते हैं कि देश आर्थिक रूप से आगे बढ़ रहा है। लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक सच्चाई ऐसी भी है, जो अक्सर नजरों से ओझल रह जाती है– भारत का आम नागरिक अब भी आर्थिक सुरक्षा के सबसे बुनियादी साधन, यानी बीमा, से दूर है। विडंबना यह है कि जिस देश में अनिश्चितताओं की भरमार है–बीमारी, दुर्घटना, प्राकृतिक आपदाएं, रोजगार की अस्थिरता–वहीं बीमा को अब भी अतिरिक्त खर्च समझा जाता है, न कि जरूरी सुरक्षा कवच। भारत में बीमा कवरेज की स्थिति संतोषजनक नहीं है। बीमा घनत्व और पैठ दोनों ही वैश्विक औसत से नीचे हैं। ग्रामीण भारत, जो देश की बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व करता है, वहां बीमा की पहुंच बेहद सीमित है। जीवन बीमा के कुछ प्रसार के बावजूद स्वास्थ्य, फसल और संपत्ति बीमा की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसा क्यों है कि विकास की रफ्तार के साथ बीमा का दायरा नहीं बढ़ पा रहा?

इसका पहला और सबसे बड़ा कारण है—जागरूकता की कमी। देश के एक बड़े हिस्से को आज भी यह समझ नहीं है कि बीमा आखिर है क्या, और यह उनके जीवन में किस तरह सुरक्षा प्रदान कर सकता है। गांवों में तो बीमा को अक्सर ठगी या धोखे के रूप में देखा जाता है। एजेंटों द्वारा गलत जानकारी देना, पॉलिसी की शर्तों को स्पष्ट न करना और क्लेम के समय होने वाली परेशानियां लोगों के मन में अविश्वास पैदा करती हैं। परिणामस्वरूप, लोग बीमा से दूरी बनाए रखना ही बेहतर समझते हैं।

दूसरा बड़ा कारण है—आर्थिक प्राथमिकताएं। जब किसी परिवार की आय सीमित हो और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना ही चुनौती हो, तब बीमा जैसी चीज उनके लिए प्राथमिकता में नहीं आती। आम भारतीय के लिए पहले भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास की जरूरतें हैं; बीमा उसके बाद आता है। यह सोच गलत नहीं है, लेकिन यह भी सच है कि एक छोटी सी दुर्घटना या बीमारी पूरे परिवार की आर्थिक स्थिति को हिला सकती है– और यही वह जगह है जहां बीमा की जरूरत सबसे ज्यादा होती है।

तीसरा कारण है—बीमा उत्पादों की जटिलता। बीमा कंपनियों द्वारा पेश किए जाने वाले उत्पाद आम लोगों की समझ से परे होते हैं। लंबी-चौड़ी शर्तें, तकनीकी भाषा और अस्पष्ट लाभ–ये सब मिलकर बीमा को एक कठिन और उलझा हुआ उत्पाद बना देते हैं। एक साधारण व्यक्ति के लिए यह समझना मुश्किल होता है कि कौन-सी पॉलिसी उसके लिए सही है। इस जटिलता का फायदा कई बार एजेंट उठाते हैं और ग्राहक को ऐसी पॉलिसी बेच दी जाती है, जो उसकी जरूरतों के अनुकूल नहीं होती। इसके साथ ही, दावा निपटान की प्रक्रिया भी बीमा से दूरी का एक बड़ा कारण है। अक्सर यह सुनने को मिलता है कि क्लेम के समय कंपनियां तकनीकी कारणों का हवाला देकर दावे खारिज कर देती हैं या प्रक्रिया को इतना लंबा कर देती हैं कि ग्राहक थक हार कर पीछे हट जाता है। इस तरह के अनुभव समाज में तेजी से फैलते हैं और लोगों के मन में यह धारणा बन जाती है कि बीमा केवल पैसे वसूलने का माध्यम है, न कि संकट के समय सहायता का। वितरण प्रणाली की कमजोरी भी एक अहम कारण है। बीमा अब भी बड़े पैमाने पर एजेंट आधारित मॉडल पर निर्भर है, जिसकी पहुंच सीमित है। ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में एजेंटों की कमी है, और जहां हैं भी, वहां उनकी प्राथमिकता कमीशन कमाना होता है, न कि ग्राहक को सही सलाह देना। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के आने से स्थिति में कुछ सुधार जरूर हुआ है, लेकिन डिजिटल साक्षरता की कमी के कारण इसका लाभ हर वर्ग तक नहीं पहुंच पा रहा।

इन सबके बीच सामाजिक और सांस्कृतिक कारक भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। भारतीय समाज में अक्सर भविष्य की अनिश्चितताओं को भगवान की मर्जी मान लिया जाता है। जोखिम प्रबंधन की सोच अभी भी व्यापक नहीं हो पाई है। लोग यह मानते हैं कि बुरा वक्त आएगा तो किसी न किसी तरह संभाल लिया जाएगा–पर यह सोच कई बार भारी पड़ जाती है। हालांकि, हाल के वर्षों में सरकार ने बीमा को बढ़ावा देने के लिए कई पहलें की हैं। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने गरीब और निम्न आय वर्ग को बीमा के दायरे में लाने की कोशिश की है। इन योजनाओं ने यह साबित किया है कि यदि बीमा सस्ता, सरल और सुलभ हो, तो लोग इसे अपनाने के लिए तैयार हैं। लेकिन इन योजनाओं का दायरा अभी भी सीमित है और व्यापक स्तर पर बदलाव लाने के लिए और अधिक प्रयासों की आवश्यकता है। हाल ही में पारित बीमा कानून संशोधन विधेयक, 2025 इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। विशेष रूप से प्रबंध महाधिवक्ता (एमजीए) की अवधारणा बीमा क्षेत्र में नई संभावनाएं खोल सकती है। एमजीए स्थानीय स्तर पर काम करते हुए बीमा उत्पादों को अधिक प्रासंगिक और सुलभ बना सकते हैं। इससे वितरण प्रणाली मजबूत होगी, उत्पादों में नवाचार आएगा और दावा निपटान की प्रक्रिया भी अधिक पारदर्शी बन सकती है। यदि इसे सही ढंग से लागू किया गया, तो यह बीमा क्षेत्र में एक सकारात्मक बदलाव ला सकता है। लेकिन केवल नीतिगत सुधार पर्याप्त नहीं हैं। असली चुनौती इन सुधारों को जमीन पर उतारने की है। इसके लिए सबसे पहले बीमा को उत्पाद नहीं, बल्कि अधिकार के रूप में स्थापित करना होगा। जैसे शिक्षा और स्वास्थ्य को मौलिक जरूरत माना जाता है, वैसे ही बीमा को भी सामाजिक सुरक्षा के एक अनिवार्य हिस्से के रूप में स्वीकार करना होगा। जागरूकता अभियान इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। स्कूलों और कॉलेजों में वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना, मीडिया के माध्यम से सरल भाषा में बीमा की जानकारी देना और स्थानीय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाना जरूरी है। इसके साथ ही, बीमा उत्पादों को सरल और पारदर्शी बनाना होगा, ताकि आम व्यक्ति बिना किसी भ्रम के सही निर्णय ले सके। नियामक संस्थाओं की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि बीमा कंपनियां ग्राहकों के हितों को प्राथमिकता दें, दावा निपटान की प्रक्रिया को सरल और समयबद्ध बनाएं और किसी भी प्रकार के दुरुपयोग पर सख्त कार्रवाई करें। डिजिटल तकनीक का उपयोग इस दिशा में सहायक हो सकता है, लेकिन इसके साथ डेटा सुरक्षा और गोपनीयता का ध्यान रखना भी उतना ही जरूरी है। अंततः, यह समझना होगा कि बीमा केवल एक वित्तीय उत्पाद नहीं, बल्कि एक सामाजिक सुरक्षा तंत्र है। यह उस भरोसे का नाम है, जो व्यक्ति को अनिश्चितताओं के बीच भी स्थिर रहने की शक्ति देता है। जब तक यह भरोसा मजबूत नहीं होगा, तब तक बीमा का दायरा सीमित ही रहेगा। भारत के लिए सबका बीमा, सबकी रक्षा केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक आवश्यकता है। अगर देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है, तो हर नागरिक को आर्थिक रूप से सुरक्षित करना होगा। और यह तभी संभव है, जब बीमा को आम भारतीय के जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाए। वरना विकास की यह दौड़ अधूरी ही रह जाएगी, जहां चमक तो होगी, लेकिन सुरक्षा का साया नहीं।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

दीदी जाने वाली है भाजपा आने वाली है?

भारत में आजादी के बाद पहली बार मतदान का एक ऐसा रिकॉर्ड बना है, जो ना भूतो ना भविष्यति की तरह है। प्रथम चरण के मतदान के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दावा किया है, प्रथम चरण की जिन 154 सीटों में जो मतदान हुआ है उसमें बीजेपी 120 सीटों पर जीत रही है। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के चुनाव का नॉरेटिव बनाकर महिला आरक्षण बिल को आधार बनाकर बीजेपी ने चुनाव लड़ा है। चुनाव के दौरान संसद का विशेष सत्र बुलाकर परिसीमन और जनगणना के मुद्दे पर जो संशोधन बिल प्रस्तुत किया था। बिल को महिला आरक्षण से जोड़कर प्रचारित किया गया। महिला आरक्षण बिल अस्तित्व में है। इसके बाद भी जब यह बिल संसद से दो तिहाई बहुमत से पास नहीं हो पाया। उसके बाद भाजपा ने इसे राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन का मुद्दा बनाया। महिला आरक्षण के नाम पर बंगाल और तमिलनाडु में चुनाव प्रचार किया। जो मतदान हुआ है, उस पर भाजपा का दावा है, महिलाओं ने भाजपा के पक्ष में पश्चिम बंगाल में बढ़ चढ़कर मतदान किया है। तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 86 फीसदी रिकॉर्ड मतदान हुआ है। तमिलनाडु में भी महिलाओं ने एनडीए के पक्ष में मतदान किया है, यह दावा भाजपा द्वारा किया जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में चुनाव के पहले, इसी तरह का नॉरेटिव बनाकर भाजपा अप्रत्याशित रूप से चुनाव जीतती रही है। इस बार भी भाजपा को भरोसा है, वह पश्चिम बंगाल में पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही हैं। ठीक इसके विपरीत ममता दीदी का दावा है। इस बार महिलाओं ने एसआईआर के नाम पर जिस तरह से करोड़ों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं। तार्किक विसंगति के नाम पर लगभग 64 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से अलग किए गए हैं। बंगाल के मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए पिछले 3 महीने से परेशान हो रहे हैं। किसी भी स्तर पर कोई सुनवाई नहीं हुई। प. बंगाल के करोड़ों मतदाता इस प्रक्रिया में काफी परेशान थे। अंतोंगत्वा 34 लाख से ज्यादा मतदाताओं को प. बंगाल में मतदान से वंचित रखा गया है। इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया बंगाल में हुई है। मतदाताओं को अपनी नागरिकता बचाने के लिए जो परेशानी उसे हुई है। बंगालियों को जिस तरह से परेशान किया गया है। उससे नाराज मतदाताओं ने इस बार टीएमसी के पक्ष में मतदान किया है। बंगाली स्मिता और नागरिक अधिकार को सुरक्षित रखने के लिए कम्युनिस्ट विचारधारा के मतदाताओं ने भी टीएमसी के पक्ष में मतदान किया है। ममता बनर्जी का दावा है, भारी संख्या में जो मतदान हुआ है। वह एसआईआर के विरोध और बंगाली अस्मिता को बचाए रखने के लिए हुआ है। ममता बनर्जी का दावा है, वह भारी बहुमत के साथ चौथी बार अपनी सरकार बनाने जा रही हैं। बंगाल चुनाव पर गहरी नजर रख रहे राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है, इस बार का विधानसभा चुनाव परिणाम आश्चर्यचकित करने वाला होगा। पिछले 15 वर्षों के चुनाव परिणाम को देखने पर स्पष्ट है। कम्युनिस्ट विचारधारा के मतदाता प्रत्येक चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान कर रहे थे। इसका मुख्य कारण कम्युनिस्ट विचारधारा का कमजोर होना और भाजपा द्वारा सुनयोजित रूप से बंगाल में अपनी पकड़ मजबूत करना था। कम्युनिस्ट पार्टी और टीएमसी के बीच में लगातार टकराव बढ़ने का फायदा भाजपा को पिछले 2 लोकसभा और विधानसभा चुनावों में हुआ है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। इस बार मामला उल्टा पड़ता हुआ दिख रहा है। जिस तरह से बेरोजगारी और महंगाई लगातार बढ़ रही है। जिस तरह से देश में घूसपेठियों के नाम बंगालियों को निशाने पर लिया गया है। उसके कारण बंगाली अस्मिता और एसआईआर के विरोध में पश्चिम बंगाल के मतदाताओं ने भारी मतदान किया है। पश्चिम बंगाल में जिस तरह से चुनाव के पहिले भय का वातावरण, चुनाव के पहले चुनाव आयोग, सुरक्षा बलों एवं हिंदू कट्टरता के नाम पर बनाया गया उससे पश्चिम बंगाल का मतदाता नागरिक अधिकारों को लेकर सजग हुआ है। पहली बार वामपंथी विचारधारा को छोड़कर ममता दीदी के पक्ष में मतदान किया है। पश्चिम बंगाल के इतिहास में ऐसा परिवर्तन पहली बार होता हुआ दिख रहा है। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी को पूंजीवादी विचारधारा का समर्थक माना जाता है। पिछले 15 वर्षों में पश्चिम बंगाल में कम्युनिस्ट पार्टी का कमजोर होना पूंजीवादी व्यवस्था का मजबूत होना भाजपा के पक्ष में था। अब, जिस तरह से निम्न वर्ग नागरिकता, बेरोजगारी और महंगाई का सामना कर रहा है, उससे पश्चिम बंगाल का मतदाता भाजपा से भारी नाराज है। प्रथम चरण के मतदान में जिस शांति के साथ भारी संख्या में घरों से निकलकर मतदाताओं ने मतदान किया है। उससे यह संकेत मिल रहा है, इस बार पश्चिम बंगाल में ऐसा कुछ होने जा रहा है, जो भविष्य में प. बंगाल एवं देश की राजनीति को नई दिशा देगा। इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। बांग्लादेश के चुनाव में जिस तरह के हालत थे। बांग्लादेश के चुनाव आयोग ने जिस तरह से प्रधानमंत्री शेख हसीना के पक्ष में काम किया था। उसके बाद बांग्लादेश में विद्रोह हुआ, शेख हसीना को बांग्लादेश छोड़कर भारत में शरण लेना पड़ी। एसआईआर के नाम पर लाखों मतदाताओं के वोट काटने की बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया पश्चिम बंगाल में हुई है। बंगाली समुदाय स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन से लेकर अभी तक के हर मामले में मुखर रहता आया है। प्रथम चरण के मतदान में जिस तरह के रुझान आए हैं, वह बहुत कुछ कह रहे हैं। परिणाम आने के बाद प्रदेश एवं देश में इसकी तीव्र राजनैतिक प्रतिक्रिया होना तय है।

सनत जैन
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

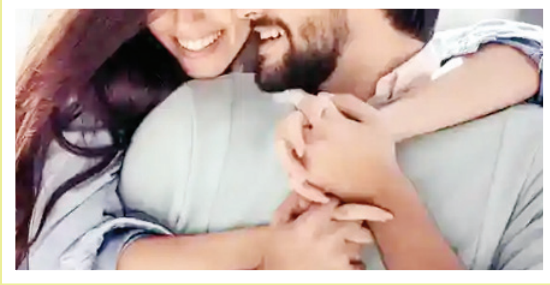

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्रायः हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं। प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते।

इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते। इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो! इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है। लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान है। और यदि यह पाया जाए कि ईश्वर साधारण हैं, हमारे जैसे ही एक व्यक्ति, तब तुम्हारा प्रेम समाप्त हो जाएगा। यदि तुम ईश्वर से इसलिए प्रेम करते हो क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वे चाहे जैसे भी हों, चाहे वे रचना करें या विनाश, तुम फिर भी उन्हें प्रेम करते हो। अपनेपन का प्रेम स्वयं के प्रति प्रेम के समान है।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

शेयर बाजार गिरावट पर बंद, सेंसेक्स 999, निफ्टी 275 अंक गिरा

मुंबई ■

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट मध्य पूर्व में तनाव को देखते हुए दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के कारण आई है। इसके अलावा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से भी बाजार पर दबाव पड़ा है जिससे वह नीचे आया है1 आज कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 999.79 अंक टूटकर 76,664.21 पर करोबार करता दिखा जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 275.10 अंक नीचे आकर 23,897.95 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में बिकवाली रही। निफ्टी मिडकैप में 0.96 फीसदी जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.87 फीसदी की गिरावट रही। आज सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए, जिनमें निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा 5.29 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावा, निफ्टी मीडिया में 1.87 फीसदी , निफ्टी फार्मा में 1.77 फीसदी, निफ्टी रियल्टी में 1.35 फीसदी, निफ्टी हेल्थकेयर में 1.49 फीसदी निफ्टी ऑयल एंड गैस में 0.72 फीसदी और निफ्टी एफएमसीजी में 0.73 फीसदी गिरावट रही। वहीं निफ्टी के ट्रेंट, हिंडाल्को, नेस्ले इंडिया, श्रीराम फाइनेंस, एसबीआई के शेयरों में तेजी देखने को मिली, जबकि टीसीएस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, सन फार्मा के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। इससे पहले आज सुबह बाजार भारी गिरावट के साथ खुले। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 150 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 77,483.80 पर खुला। इसी तरह निफ्टी-50 भी 24,100 के स्तर पर खुला। सुबह शुरूआत के बाद निफ्टी 153.90 अंकों की गिरावट के साथ 24,019.15 पर ट्रेड कर रहा था।

लगातार दूसरे दिन गिरी सोना-चांदी की कीमतें

नई दिल्ली ■

भारतीय सराफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमतों में हल्की गिरावट दर्ज की गई। दिल्ली में 24, 22 और 18 कैरेट सोने के दामों में लगभग 10 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमी आई है। यह गिरावट मजबूत डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी जैसे वैश्विक कारकों के कारण हुई है, जिसने सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की मांग को प्रभावित किया है।

वहीं सोने के साथ-साथ चांदी की कीमतों में भी नरमी देखी गई है। शुक्रवार को सुबह चांदी करीब 100 रुपये गिरकर 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले भी चांदी में एक बड़ी गिरावट दर्ज की जा चुकी है, जो वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और बाजार की अस्थिरता को दशार्ती है। दिल्ली में 18 कैरेट सोना 1,15,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है, जबकि मुंबई में यह 1,15,150 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा है। यह गिरावट हाल की तेज गिरावट के बाद आई है, जब दिल्ली में 24 कैरेट सोने में एक ही दिन में 900 रुपये तक की कमी देखी गई थी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना करीब 4,738.40 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, डॉलर इंडेक्स की मजबूती, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और अमेरिकी 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी (जो लगभग 4.32 फीसदी तक पहुंच गई है, सोने की मांग पर दबाव बना रही हैं।

हीरो स्प्लेंडर बनीं देश की सबसे अधिक बिकने वाली बाइक

नई दिल्ली ■

बीते मार्च 2026 में, हीरो स्प्लेंडर देश की सबसे अधिक बिकने वाली बाइक बनकर उभरी, जिसने कुल 3,32,227 यूनिट्स की प्रभावशाली बिक्री दर्ज की। यह आंकड़ा पिछले साल की समान अवधि के 3,22,529 यूनिट्स की तुलना में 3.01 प्रतिशत की शानदार वार्षिक वृद्धि दशार्ता है।

भारतीय दोपहिया बाजार में हीरो स्प्लेंडर ने एक बार फिर अपना दबदबा साबित किया है। हीरो स्प्लेंडर की यह लगातार सफलता बताती है कि विश्वसनीयता, सामर्थ्य और बेहतरीन माइलेज के कारण यह आज भी भारतीय परिवारों की पहली पसंद बनी हुई है। बिक्री की इस दौड़ में होंडा एक्टिवा दूसरे स्थान पर रही, जिसने 36.86 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि के साथ कुल 2,59,670 यूनिट्स स्कूटर बेचे। होंडा शाइन ने भी मजबूत प्रदर्शन किया और 14.53 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ 1,73,098 मोटरसाइकिल यूनिट्स की बिक्री के साथ तीसरे पायदान पर अपनी जगह बनाई। बजाज पल्सर ने 24.29 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ 1,32,248 यूनिट्स बेचकर चौथा स्थान हासिल किया, जो युवाओं के बीच इसकी निरंतर लोकप्रियता को दशार्ता है। पांचवें स्थान पर टीवीएस जुपिटर ने 17.89 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,24,771 यूनिट्स स्कूटर की बिक्री दर्ज की। इसके बाद हीरो एचएफ डीलक्स रही, जिसने 7.33 प्रतिशत सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 85,088 यूनिट्स की बिक्री की। सुजुकी एक्सेस ने भी अच्छा प्रदर्शन किया और 9.49 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ 72,658 यूनिट्स स्कूटर बेचे। टीवीएस अपाचे ने 6.48 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ 47,081 यूनिट्स बाइक बेचीं, जबकि टीवीएस एक्सएल100 ने 31.30 प्रतिशत की शानदार वृद्धि के साथ 46,192 यूनिट्स मोपेड की बिक्री की। विशेष रूप से, इलेक्ट्रिक सेगमेंट में टीवीएस आईक्यूब ने 46.26 प्रतिशत की जबरदस्त वार्षिक वृद्धि दर्ज करते हुए 38,757 यूनिट्स स्कूटर बेचे, जो इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग का संकेत है।

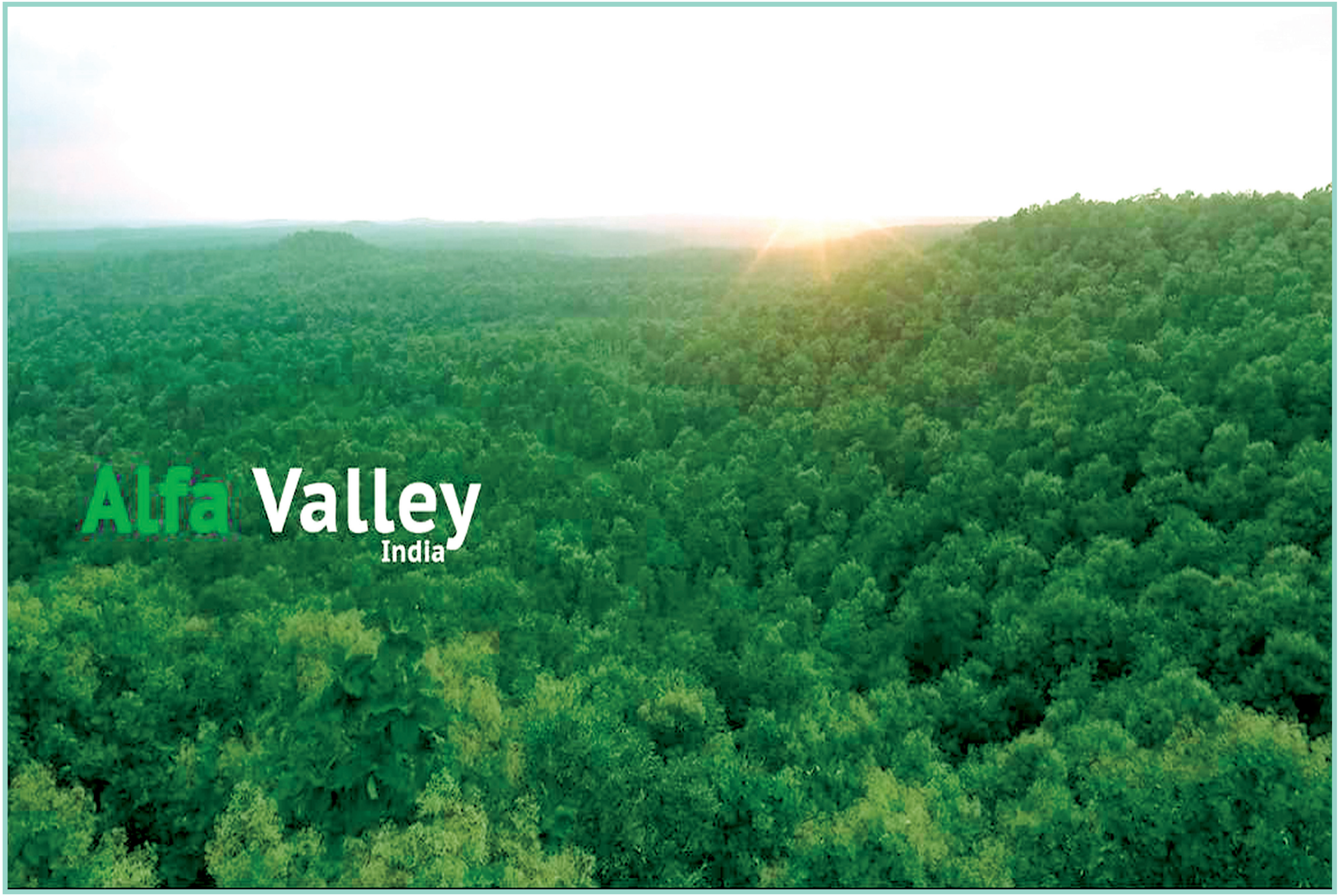

Alfa Valley
India

मनोरंजन

हर दौर में चुनौती का डटकर सामना किया मंदिरा बेदी ने

90 के दशक में छोटे परदे के लोकप्रिय धारावाहिक शांति से घर-घर में पहचान बनाने वाली अभिनेती मंदिरा बेदी आज उन चुनिंदा हस्तियों में से एक हैं, जिन्होंने हर दौर में चुनौती का डटकर सामना किया। चाहे वह 90 के दशक का टीवी हो, क्रिकेट की दुनिया में एंकरिंग का नया दौर हो या फैशन के चमकते मंच, मंदिरा ने हर जगह अपनी एक खास पहचान बनाई। एक ऐसा समय भी आया, जब उन्हें तीखी आलोचना और सार्वजनिक निंदा का सामना करना पड़ा। लेकिन, मंदिरा इन सब के आगे एक चट्टान की तरह खड़ी रहीं और अपने संकल्प से पीछे नहीं हटीं। मंदिरा बेदी हाल ही में 15 अप्रैल को जन्मदिन मनाया। बचपन से ही उन्हें अभिनय और रचनात्मक कलाओं में गहरी दिलचस्पी थी। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने भारतीय टेलीविजन की दुनिया में कदम रखा। 90 के दशक में प्रसारित हुए बेहद लोकप्रिय धारावाहिक शांति ने उन्हें रातों-रात एक बड़ा नाम बना दिया। इस शो में एक आत्मनिर्भर और सशक्त महिला का उनका चित्रण इतना प्रभावशाली था कि वे घर-घर में एक जाना-पहचाना चेहरा बन गईं, और आज भी उन्हें उनके इस किरदार के लिए याद किया जाता है। इसके बाद उन्होंने कई अन्य टीवी शोज में काम किया और धीरे-धीरे फिल्म तथा होस्टिंग की दुनिया में भी अपनी जगह बनाई। लेकिन उनके करियर में असली मोड़ तब आया, जब उन्हें क्रिकेट जैसे खेल में प्रेजेंटर बनने का अवसर मिला।

अरिजीत सिंह के सफर से मैंने बहुत कुछ सीखा है : निकिता गांधी

हाल ही में गायिका निकिता गांधी ने मशहूर गायक अरिजीत सिंह के प्रति अपनी गहरी प्रशंसा व्यक्त की है। कई गानों में अरिजीत सिंह के साथ अपनी आवाज दे चुकीं निकिता ने खुद को अरिजीत की बहुत बड़ी प्रशंसक बताया। निकिता ने अरिजीत के गायन और उनके पूरे करियर के सफर के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया। वह कहती हैं कि एक बहुमुखी गायिका के तौर पर, उन्होंने अरिजीत के असाधारण सफर से बहुत कुछ सीखा है और यह उनके लिए एक प्रेरणा का स्रोत रहा है। वह अरिजीत के करियर के हर पहलू को करीब से देखती हैं और उनके द्वारा संगीत उद्योग को दिए गए अतुलनीय योगदान को स्वीकार करती हैं। निकिता गांधी ने इस दौरान अपने खुद के संगीत सफर को भी याद किया, जो आमतौर पर अन्य कलाकारों से थोड़ा अलग रहा है। उन्होंने बताया कि उन्होंने पहले फिल्मों में गाना शुरू किया और उसके बाद अपना इंडी म्यूजिक रिलीज़ किया, जबकि आमतौर पर कलाकार पहले इंडी म्यूजिक से शुरुआत करते हैं और फिर फिल्मों की ओर रुख करते हैं। निकिता ने बताया कि उन्होंने कॉलेज के दिनों में तमिल फिल्मों में गाना शुरू किया था, और उस समय उनका म्यूजिक इंडस्ट्री में आने का कोई पूर्वनियोजित प्लान नहीं था। साउथ इंडस्ट्री और फिर बॉलीवुड में मिले अवसरों ने उन्हें इस करियर में आगे बढ़ाया। निकिता अपने सफर को बहुत अलग और शानदार बताती हैं, क्योंकि उन्होंने कभी गायिका बनने का सपना नहीं देखा था।

शिफ्ट में काम करने को लेकर एक राय नहीं है दीपिका और रणवीर

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने मां बनने के बाद सिनेमा में आठ घंटे की शिफ्ट को अनिवार्य करने की पुरजोर मांग की थी। इस मुद्दे को एक बार फिर हवा तब मिली जब कंगना रनौत ने भी हालिया इंटरव्यू में दीपिका का समर्थन किया, यह दर्शाता है कि यह चिंता इंडस्ट्री के कई कलाकारों के बीच साझा की जाती है। खास बात यह है कि काम करने के तरीके और प्रतिबद्धता को लेकर दीपिका और उनके पति रणवीर सिंह दोनों की राय बिल्कुल अलग है। जहां दीपिका पादुकोण आठ घंटे की शिफ्ट को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के संतुलन और एक स्वस्थ कार्य संस्कृति से जोड़कर देखती हैं, वहीं रणवीर के लिए काम ही सब कुछ है। उनके लिए काम के प्रति समर्पण घंटों की सीमा से परे है और वे इसे सिर्फ एक लेन-देन या ट्रांजेक्शन के रूप में नहीं देखते। निर्देशक आदित्य धर ने खुद इस बात का खुलासा किया था कि फिल्म धुरंधर की शूटिंग के दौरान रणवीर सिंह समेत पूरी टीम ने लगातार 16-18 घंटे काम किया था और रणवीर ने बिना किसी ब्रेक या शिकायत के यह सिलसिला बनाए रखा था। यह उनकी उस कार्य नैतिकता का प्रमाण है जो घंटों की परवाह नहीं करती। अभिनेता ने एक पुराने साक्षात्कार में भी इस बात को स्वीकार किया था कि उनके काम करने के लंबे घंटों के कारण उनके सह-कलाकारों को भी परेशानी होती थी, क्योंकि वह आठ घंटे की शिफ्ट पर बिल्कुल यकीन नहीं करते। उन्होंने कहा था, हिंदी सिनेमा में या एक फिल्म को बनाने में आठ घंटे में काम कर पाना बहुत मुश्किल है, तो थोड़ा ज्यादा कर लो शूटिंग, क्योंकि मैं काम को ट्रांजेक्शन या सिर्फ एक लेन-देन के रूप में नहीं देखता।

सुदर्शन के शतक पर भारी विराट और पडिक्कल की तूफानी फिफ्टी, आरसीबी ने गुजरात को धो डाला

नई दिल्ली ■ एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हरा दिया है. यह बेंगलुरू की सीजन में कुल पांचवीं जीत है. साई सुदर्शन की शतकीय पारी भी गुजरात के काम न आ सकी. आरसीबी के लिए विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल ने ताबड़तोड़ अंदाज में अर्धशतक लगाए. कोहली ने इस मुकाबले में 44 गेंद में 81 रनों की तूफानी पारी खेली. इस पारी के दम पर विराट ने एक बार फिर आईपीएल 2026 की ऑरेंज केप हासिल कर ली है. बेंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में गुजरात टाइटंस की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 205 रन बनाए थे. जवाब में आरसीबी ने 7 गेंद शेष रहते 5 विकेट से यह मैच जीत लिया. इस जीत ने बेंगलुरू को पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया है.

सुदर्शन का शतक पड़ा फीका

गुजरात टाइटंस ने पहले बैटिंग करते हुए 205 रन बनाए थे. इसमें बहुत बड़ा योगदान साई सुदर्शन की 100 रनों की शतकीय पारी का रहा. उन्होंने 58 गेंदों में 100 रन बनाए थे. यह उनके आईपीएल करियर का तीसरा शतक रहा. जब बेंगलुरू की टीम बड़े लक्ष्य का पीछा करने आई तो जैकब बैथेल जल्दी आउट हो गए, जिन्होंने 10 गेंद में 14 रन बनाए. उसके बाद विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल ने मिलकर 59 गेंदों में 115 रनों की साझेदारी की. पडिक्कल ने महज 20 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर लिया था. पूरे मैच में उन्होंने 27 गेंद खेलकर 55 रन बनाए. वहीं कोहली ने भी तूफानी अंदाज में 44 गेंद खेलकर 81 रन बनाए.

शांभवी-दिव्यांशु ने रचा इतिहास, मिश्रित टीम स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण जीता

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन में भारत की झोली में चौथा गोल्ड मेडल आ गया है। 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम जोड़ी शांभवी क्षीरसागर और दिव्यांशु देवांगन ने 499.9 के जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड मेडल को अपने नाम किया।

इस जोड़ी ने इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में कुल 632.0 के साथ टॉप किया था। चीनी ताइपे की त्साई चीह-यिंग और चेन यू-एन ने 498.3 के साथ सिल्वर जीता, जबकि टिफेन पोम्स और गैसपार्ड लेसीयर की फ्रेंच जोड़ी ने 434.4 के साथ ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। जूनियर पुरुषों के 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल इवेंट में समीर ने क्वालिफाइंग राउंड में 573 के प्रयास के साथ फाइनल में जगह बनाई और वह दूसरे स्थान पर रहे। फ्रांस के अर्नोद गामालेरी ने 589 पोस्ट करते हुए जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की और वह गोल्ड मेडल जीतने में सफल रहे। फाइनल में समीर सातवें स्थान पर रहे। उन्होंने आठ-सीरीज के फाइनल की पहली तीन पांच-शॉट सीरीज में सात हिट किए। गामालेरी ने 29 हिट के साथ गोल्ड मेडल को अपने नाम किया।

लखनऊ के 48 करोड़ रु. के पंत-पूरन सुपर फ्लॉप: एलएसजी सात में से पांच मुकाबले हार चुकी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

लखनऊ सुपर जायंट्स को 7 मैचों में सिर्फ 2 जीत मिली हैं और टीम 4 अंक लेकर नौवें पर है। इसकी सबसे बड़ी वजह दो सबसे महंगे खिलाड़ियों-कप्तान ऋषभ पंत और उपकप्तान निकोलस पूरन की खराब फॉर्म रही है। टीम ने दोनों पर कुल 120 करोड़ रुपए के पर्स का 40त्न यानी 48 करोड़ खर्च किए हैं। लेकिन सीजन में दोनों जायंट खिलाड़ियों का बल्ला खामोश है।

27 करोड़ के पंत दोहरी मानसिकता और तकनीकी उलझनों का शिकार हो रहे हैं। 7 पारियों में 132.43 की साधारण स्ट्राइक रेट से केवल 147 रन बनाना उनके जैसे आक्रामक बल्लेबाज को शोभा नहीं देता। राजस्थान के खिलाफ उनका 3 गेंदों पर शून्य पर आउट होना यह स्पष्ट करता है कि वे मानसिक रूप से

भारी दबाव में हैं। सबा करीम के अनुसार, पंत अभी तक टी20 में अपना सही टेम्पलेट नहीं खोज पाए हैं। उन्होंने हैदराबाद के खिलाफ छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए 50 गेंदों पर 68* रन की धीमी पारी खेली। इसके चलते जो मैच लखनऊ को दो-तीन ओवर पहले जीत जाना चाहिए था, उसे टीम ने सिर्फ एक गेंद शेष रहते जीता। पंत ने जब आक्रामक रुख अपनाने की कोशिश की, तो वे पिछले 5 मैचों में से 4 बार 20 रन तक भी नहीं पहुंच सके।

थॉमस कप फाइनल: भारत ने कनाडा को 4-1 से हराया, लक्ष्य सेन को मिली हार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आयुष शेट्टी के अलावा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी की शानदार जीत से 2022 के चैंपियन भारत ने शुक्रवार (24 अप्रैल) को थॉमस कप फाइनल के अपने पहले ग्रुप मैच में कनाडा पर 4-1 से हरा दिया। लक्ष्य सेन को शानदार प्रयास के बावजूद दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी विक्टर लाई से 18-21, 21-19, 21-10 से हार का सामना करना पड़ा।

इसके बाद दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी सात्विक और चिराग ने जोनाथन बिंग त्सान लाई और केविन ली को 21-10, 21-11 से हराकर मैच बराबर कर दिया। हाल में हुई एशिया चैंपियनशिप के उपविजेता 20 वर्षीय आयुष ने फिर दुनिया के 33वें नंबर के खिलाड़ी

ब्रायन यांग को 39 मिनट में 21-13, 21-17 से हराकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी।

भारतीय महिला का डेनमार्क से सामना

दूसरी युगल जोड़ी हरिहरन अमसकरुणन और एमआर अर्जुन ने टाइ अलेक्जेंडर लिंडेमैन और नाइल याकुरा पर 21-7, 21-15 की शानदार जीत के साथ भारत की जीत सुनिश्चित कर दी। किदांबी श्रीकांत ने पांचवें और बेमानी मैच में दुनिया के 77वें नंबर के खिलाड़ी जोशुआ गुयेन को 21-17 21-12 से हरा दिया। चीन के बाद भारत दूसरे नंबर पर है। भारतीय महिला टीम दिन में बाद में अपने पहले मैच में डेनमार्क का सामना करेगी।

फर्राटा चैंपियन नित्या गांधे ने खोली तेलंगाना सिस्टम की पोल

इंडियन एथलेटिक्स सीरीज में 100 मीटर की विजेता और एशियाई पदकधारी नित्या गांधे ने राज्य सरकार की खेल नीति पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि खिलाड़ियों को जरूरी प्रशिक्षण, प्रायोजक और मेडिकल सपोर्ट नहीं मिल रहा, जबकि पदक जीतने के बाद ही उनकी याद आती है।

अर्जेंटीना से हार नहीं, सीख लेकर लौटी भारतीय महिला हॉकी टीम

अर्जेंटीना के खिलाफ सीरीज हारने के बावजूद भारतीय महिला हॉकी टीम इसे सीख के रूप में देख रही है। टीम की फॉरवर्ड मुमताज खान ने बताया कि अब एशियन गेम्स और वर्ल्ड कप में बेहतर नतीजे देने का समय है।

आईपीएल में आज होगा पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

दोपहर 3: 30 बजे से होगा मैच

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स की टीम शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने घरेलू मैदान पर पंजाब किंग्स का मुकाबला करेगी। इस मैच में दिल्ली का प्रयास जहां जीत दर्ज कर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना रहेगा। वहीं दूसरी ओर अंक तालिक में नंबर एक चल रही पंजाब किंग्स अपनी जीत के अभियान हो जारी रख प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ाने उतरेगी। पंजाब ने अब तक अपने सभी मैच जीते हैं और वह 11 अंक लेक तालिक में नंबर एक स्थान पर है।

आईपीएल में आज होगा रॉयल्स और सनराइजर्स के बीच मुकाबला

शाम 7: 30 से शुरु होगा मैच

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स की टीम शनिवार को अपने घरेलू मैदान पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करने। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरा जोर लगा देंगी। राजस्थान को हालांकि घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। राजस्थान रॉयल्स की टीम में कप्तान रियान पराग के अलावा यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज हैं। टीम के पास रविंद्र जडेजा जैसा ऑलराउंडर हैं।

अब आप भी बन सकते हैं
ग्लोबल रिपोर्टर
अपने आस-पास होने वाली महत्वपूर्ण गतिविधियां, घटना-दुर्घटना की खबर, फोटो या वीडियो हमें वाट्सएप करें
7999509078
ना केबल कनेक्शन की झंझट, ना ही सेट-टॉप बॉक्स का खर्चा
ग्लोबल हेराल्ड न्यूज़ अब IPTV पर भी
बस एक बार गूगल करें और देखें हमेशा ताज़ातरीन खबरें
www.globalheraldtv.com
ग्लोबल हेराल्ड NATIONAL HERALD
न्यूज़ पेपर न्यूज़ चेनल वेब टीवी
globalheraldeditor@gmail.com

LITTAL
www.pramodmarutiparts.com

ALFA VALLEY
coming soon...
ALFA VALLEY
"Heal the world, make it a better place,
for you and for me and the entire human race."
Glad to share that we are working on Alfa Valley,
our 220 acre land near Kolar Dam, Bhopal.
The project entails a huge plantation comprising
100000 trees,
water conservation, organic farming and
a wellness center.
Spread across 220 acres of green land in Saras.
Situated near Kolar Dam, Bhopal.
Ample open space around the property.
Fabulous Views over the countryside.
Surrounded by Dam, Trees, Terrains, Grassland, Vegetables, Fruits.
MOB.+91 9977200123 Email-alfavalley@rediffmail.com

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **डॉ.शिशिर उपाध्याय**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com